NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 330 लखनऊ, बुधवार 29 जुलाई 2026 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

असम में फ्लड का कहर जारी, पीएम मोदी ने कहा- पीड़ितों को बचाने केंद्र-राज्य सरकारें एक साथ

एजेंसी। असम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुष्टि की कि असम में बाढ़ प्रभावितों को राहत पहुंचाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर काम कर रही हैं। मंगलवार को बाढ़ की स्थिति में सुधार देखा गया, हालांकि अब तक 68 लोगों की मौत हो चुकी है और 4.45 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। केंद्र सरकार और असम सरकार के बीच यह समन्वय राहत कार्यों की गंभीरता और प्रभावित इलाकों तक मदद पहुंचाने के प्रयासों को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार राज्य में बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मोदी ने संसद भवन परिसर में असम के केंद्रीय मंत्रियों और बीजेपी सांसदों से मुलाकात के बाद यह बात कही। इस साल अब तक बाढ़ के कारण 68 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रधानमंत्री ने X पर एक पोस्ट में कहा कि असम के सांसदों से मुलाकात की और राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। केंद्र सरकार प्रभावित लोगों की मदद के लिए असम सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। मैं सभी की सुरक्षा और भलाई के लिए प्रार्थना करता हूं।बैठक में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने भाग लिया। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, बाढ़ से छह जिलों – शिवसागर, गोलाघाट, चराइदेव, जोरहाट, नागांव और कामरूप (महानगर) में 4,45,495 लोग प्रभावित हुए हैं। बाढ़ की वजह से कुल 90 राहत कैंप चल रहे हैं, जिनमें 28,695 लोगों को आश्रय दिया गया है। इसके अलावा, राहत सामग्री बांटने वाले 94 केंद्र भी काम कर रहे

थे।बुलेटिन के अनुसार, NDRF, SDRF और सिविल डिफेंस के जवानों समेत कई एजेंसियां घ्बचाव और राहत का काम कर रही हैं और प्रभावित इलाकों में 67 नावें तैनात की गई हैं। ASDMA ने बताया कि 37,139.52 हेक्टेयर फसल वाला इलाका अभी भी पानी में डूबा हुआ है और 26,679 जानवर बह गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित जिलों के अलग–अलग हिस्सों से घरों, सड़कों और दूसरे बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की खबरें मिली हैं। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को बाढ़ की स्थिति में सुधार हुआ, किसी नई मौत की खबर नहीं है और कई जिलों में पानी का स्तर घट रहा है। उन्होंने कहा कि एक केंद्रीय टीम ने मौजूदा बाढ़ की मार झेल रहे सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में से एक, शिवसागर का दौरा किया और राज्य के पूर्वी हिस्सों में हालात का जायजा लिया।

4 साल से उप खनिजों की रायल्टी फंसी, लोक निर्माण विभाग के ठेकेदारों ने सीएम योगी से लगाई हस्तक्षेप की गुहार

संवाददाता।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ठेकेदार कल्याण समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लोक निर्माण विभाग में उप खनिजों की रॉयल्टी के लंबित भुगतान मामले में हस्तक्षेप की राज्य ब्यूरो, लखनऊ। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में निर्माण कार्यों के लिए प्रयुक्त उप खनिजों (गिट्टी, स्टोन डस्ट, रेत आदि) पर देय रायल्टी भुगतान के लंबित मामले को लेकर उत्तर प्रदेश ठेकेदार कल्याण समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप की मांग की है। समिति का कहना है कि वर्ष 2022 से विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और स्पष्ट निर्णय के अभाव में प्रदेश भर के ठेकेदार आर्थिक परेशानी का सामना कर रहे हैं।समिति के अध्यक्ष शरद कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री को भेजे ज्ञापन में प्रमुख अभियंता (विकास एवं विभागाध्यक्ष) लोक निर्माण विभाग तथा शासन के पूर्व में जारी पत्रों का हवाला देते हुए कहा है कि इस संबंध में पिछले चार वर्षों से लगातार पत्राचार और अनुरोध किए जा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सका है।ज्ञापन में कहा गया है कि लोक निर्माण विभाग, भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग तथा शासन स्तर पर कई बार मामला उठाए जाने के बावजूद समाधान नहीं निकल पाया है। इससे निर्माण

कार्यों से जुड़े ठेकेदारों के भुगतान प्रभावित हो रहे हैं और उन्हें अनावश्यक आर्थिक एवं प्रशासनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। समिति ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी कर रायल्टी भुगतान के लंबित मामले का शीघ्र समाधान कराया जाए, ताकि प्रदेश के ठेकेदारों को राहत मिल सके और विकास कार्य भी प्रभावित न हों।

शिक्षा मंत्री पर प्रियंका गांधी वाड्रा के बयान से लोकसभा में हंगामा, जवाबदेही पर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने

एजेंसी।

दिल्ली। लोकसभा में प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा नए शिक्षा मंत्री पर लगाए गए गंभीर आरोपों को लेकर तीखी बहस हुई, जिसके बाद प्रह्लाद जोशी और किरेन रिजिजू ने उन्हें गलत जानकारी फैलाने और चरित्र हनन का आरोप लगाते हुए माफी की मांग की। प्रियंका ने हालांकि, छात्रों के हितों और परीक्षा अनियमितताओं पर सरकार की जवाबदेही पर जोर दिया, जिससे संसद में सूचना की सत्यता और राजनीतिक भाषा पर गंभीर सवाल खड़े हुए।मंगलवार को लोकसभा में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की ओर से नए शिक्षा मंत्री के बारे में की गई टिप्पणियों को लेकर तीखी बहस हुई। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और किरेन रिजिजू ने उन पर गलत जानकारी फैलाने और व्यक्तिगत आरोप लगाने का आरोप लगाया। बहस के दौरान, प्रियंका गांधी ने परीक्षा में अनियमितताओं और जवाबदेही को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने एक नए शिक्षा मंत्री की नियुक्ति की है, जो एक गर्भवती महिला के साथ बलात्कार के दोषी व्यक्तियों

की रिहाई पर सहमति और यहां तक घ्कि खुशी व्यक्त करने वाले व्यक्ति हैं। इसके जवाब में, संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रियंका गांधी से उनके दावों को साबित करने की मांग की और उन्हें गलत जानकारी बताया। उन्होंने कहा कि प्रियंका जी को अपने बयानों को साबित करना चाहिए था। गलत जानकारी फैलाने के मामले में कार्रवाई होनी चाहिए। क्या कोई भी कुछ भी कहकर बच सकता है?३ मैं इन आरोपों को गलत बताता हूं। उन्हें बाहर निकाला जाना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए।केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी संसद में इन टिप्पणियों को चरित्र हनन बताते हुए इनकी निंदा की। उन्होंने कहा कि जब प्रियंका गांधी वाड्रा बोल रही थीं, तो उनकी तरफ से भी रुकावटें डाली गईं और हमारी तरफ से भी। लेकिन हम शांति से सुन रहे थे। हालांकि, हमारे मौजूदा शिक्षा मंत्री के बारे में उन्होंने जो टिप्पणियां की हैं, वे संसद में चरित्र हनन के बराबर हैं। हम ऐसी भाषा की उम्मीद नहीं करते। प्रियंका गांधी ने पहले सरकार से जवाबदेही की मांग कर रहे हजारों युवाओं के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों का जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि छात्रों का सिस्टम से भरोसा उठ रहा है और उन्हें ज्यादातर यही लगता है कि कड़ी मेहनत के बजाय बेईमानी को ज्यादा अहमियत दी जाती है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए इस देश का संविधान सबसे ऊपर है और लोकतंत्र सर्वोपरि है। इसे नष्ट करना एक पाप है। इस देश के करोड़ों लोग हमसे सिर्फ एक ही चीज चाहते हैंरू जवाबदेही। हमें सत्ता सौंपने और इस मुकाम तक पहुँचाने के बाद, उनकी बस यही उम्मीद होती है कि हम जो कुछ भी करें, वह उनके भले के लिए हो। और अगर उनके साथ अन्याय होता है, तो हमें उनके प्रति जवाबदेह होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उन्हें न्याय मिले।

खाद वितरण को लेकर योगी सख्त, तकनीकी समस्या दूर करने और व्यवस्था दुरुस्त रखने के दिए निर्देश

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार वर्तमान खरीफ सीजन में मुख्य फसल धान की रोपाई और अन्य फसलों की बुवाई के उपरांत किसानों को फसल संस्तुति के अनुसार पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाया कि परेशान न हों, प्रदेश में उर्वरक की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को सुगमता से उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए कृषि व संबंधित विभाग के अधिकारी लगातार मॉनीटरिंग करें।मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान भ्रामक सूचनाओं व अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से उर्वरक भंडारण न करें। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक उर्वरक उपलब्ध कराए गए हैं। किसानों को समय पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।कृषि मंत्री सूर्य

प्रताप शाही ने बताया कि प्रदेश में किसानों के लिए उर्वरक का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। खरीफ सीजन– 2026 के तहत सोमवार (27 जुलाई) तक कुल 28.25 लाख मीट्रिक टन उर्वरक बिक्री की जा चुकी है, जबकि 29.05 लाख मीट्रिक टन उर्वरक अब भी उपलब्ध है। सरकार किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।किसी भी समस्या पर जनपद व मंडल के अधिकारियों से संपर्क करें किसान कृषि निदेशक डॉ. पंकज त्रिपाठी ने बताया कि सभी 18 मंडलों में पर्याप्त खाद उपलब्ध है। जनपदों में किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी होती है तो वे जनपद, मंडल के कृषि अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

दारुल सफा विधायक निवास में पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

संवाददाता। लखनऊ, । राजधानी के दारुल सफा स्थित नए विधायक निवास परिसर में सोमवार को एक पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वह विधायक निवास की ऊपरी मंजिल से नीचे गिर गए, जिससे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें तत्काल सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार सोमवार को दारुल सफा नए विधायक निवास के व्यवस्था अधिकारी ने चौकी प्रभारी को सूचना दी कि विधायक निवास के पीछे एक व्यक्ति ऊपरी मंजिल से नीचे गिर गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल सिविल अस्पताल ले गई, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतक की पहचान नानक राम भुर्जी (55 वर्ष), पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री के रूप में हुई है।

लोकसभा में एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा, राज्यसभा में हंगामा जारी

एजेंसी।

दिल्लीं लोकसभा में एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान विपक्षी दलों ने इसे मोदी सरकार की विफलता का प्रतीक बताया और नीट पेपर लीक व छात्र प्रदर्शन पर गृह मंत्री अमित शाह से जवाब माँगा। बिल में 10 साल जेल और 50 लाख जुर्माने का प्रावधान है, जिसका भाजपा ने यह कहकर बचाव किया कि यह सरकार की पेपर लीक रोकने की नीयत को दर्शाता है, वहीं राज्यसभा में हंगामे के कारण कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में पेपर लीक रोकने वाले संशोधन बिल पर चर्चा चल रही है और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में बहस की शुरुआत की। यह कदम केंद्र सरकार द्वारा सोमवार को निचले सदन में पेपर लीक विरोधी कानून में संशोधन के लिए बिल पेश किए जाने के बाद उठाया गया है। इस बिल में 10 साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने जैसी कड़ी सजा का प्रावधान है। वहीं, नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई मुद्दे पर गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण राज्यसभा की बैठक मंगलवार को एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। – कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में परीक्षा प्रश्नपत्र निरोधक कानून को मोदी सरकार की विफलता का स्मारक करार दिया और कहा कि गृह मंत्री अमित शाह को सदन में इसका जवाब देना चाहिए कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जब 2024 में पेपर लीक का मामला सामने आया था तब तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इससे इनकार किया था और इस बार भी उनका रवैया वैसा ही रहा। कांग्रेस सांसद ने संसद परिसर में भाजपा के कुछ सदस्यों द्वारा प्रधान का स्वागत किए जाने का हवाला देते हुए कहा कि इस सरकार को शर्म आनी चाहिए कि संसद में पूर्व मंत्री का ऐसा स्वागत किया गया मानो वह पाकिस्तान से जंग लड़कर आए हों। – भाजपा की सांसद बांसुरी स्वराज ने मंगलवार को लोकसभा में कांग्रेस तथा विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला और कहा कि वे यह विमर्श तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं कि प्रश्नपत्र लीक की समस्या 2014 के बाद पैदा हुई। उन्होंने कहा कि स्वयं प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि पेपर लीक एक 'घोर अपराध'

है। इसलिए, इस सदन को आश्वासन देना चाहुंगी कि मोदी जी के लिए पेपर लीक को घोर पाप कहना केवल एक बयान नहीं, उनकी सरकार की नीयत है। इसलिए यह संशोधन (विधेयक) लाया गया है।– समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा देने को लेकर भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि उसने प्रधान का त्यागपत्र लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बचा लिया। यादव ने जंतर–मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन का हवाला दिया और कहा कि ''सरकार झुकती है, सिर्फ झुकाने वाला चाहिए।'' तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने केंद्र सरकार पर परीक्षाओं और छात्रों को संरक्षण देने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार द्वारा लाया गया लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक उसकी 12 साल की ''अक्षमता को'' समाप्त नहीं कर सकता। चिकित्सा शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को अनावश्यक बताते हुए द्रमुक सांसद दयानिधि मारन ने कहा कि इस परीक्षा रोक लगनी चाहिए

दिल्ली में भारी बारिश से जलभराव और यातायात जाम, मौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट

एजेंसी।

दिल्ली में मंगलवार सुबह हुई भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया और सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी में तेज बारिश को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। इस बारिश के कारण कई प्रमुख मार्गों पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। नयी दिल्ली, 28 जुलाई दिल्ली में मंगलवार सुबह भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया, व्यस्त बाजारों में घुटनों तक पानी भर गया और सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। शहर में बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिनभर बादल छाए रहने और भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है।विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी में अगले कुछ घंटों के लिए बादलों की गरज और बिजली की चमक के साथ तेज बारिश होने को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। सुबह से लगातार हो रही बारिश के कारण दिल्ली के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। कनॉट प्लेस, जनपथ, लुटियंस दिल्ली की कई सड़कों, भारत मंडपम रोड, बाराखंभा रोड, आईटीओ के पास मथुरा रोड, कालिंदी कुंज और अन्य निचले इलाकों में जलभराव होने की सूचना मिली। शहर के कई हिस्सों में जलभराव की खबरों के बीच लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें मिंटो ब्रिज पर यातायात सुचारू रूप से चलता हुआ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, बारिश लगातार हो रही है, लेकिन मिंटो ब्रिज पर जनजीवन उसी गति से चल रहा है। हमारा प्रयास यही है कि मानसून केवल एक मौसम बनकर रहे, लोगों के लिए परेशानी का कारण न बने। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर दिल्ली के सबसे व्यस्त थोक बाजारों में से एक सदर बाजार का एक वीडियो साझा किया। वीडियो में दिख रहा है कि वहां बारिश का पानी कमर तक भर गया है, तथा स्कूली बच्चों, कार्यालय जाने वालों और खरीदारों को जलमग्न सड़कों से होकर गुजरना पड़ रहा है। विपक्षी नेता ने सोशल मीडिया मंच पर कहा, दिल्ली के सबसे बड़े थोक बाजारों में से एक सदर बाजार में स्कूली बच्चे कमर तक भरे बारिश के पानी से गुजर रहे हैं।सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की ओर से साझा किए गए कुछ पोस्ट के अनुसार, ग्रेटर कैलाश–2 से सावित्री

सिनेमा, चिराग दिल्ली, हौज खास और आरके पुरम तक भारी यातायात जाम की सूचना मिली। वहीं, एमबी रोड के दोनों कैरिजवे पर संगम विहार से खानपुर तक भी वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। जलभराव के कारण कई प्रमुख सड़कों पर यातायात जाम की स्थिति देखने को मिली। इनमें शंकर विहार के पास एनएच–8, जाकिर हुसैन रोड, दिल्ली कैंट–नरैना फ्लाईओवर–मायापुरी मार्ग, आईटीओ, पुरानी रोहतक रोड, मधुबन चौक–नेताजी सुभाष प्लेस मार्ग, पीरागढ़ी, एम्स के पास एनएच–48, दिल्ली–नोएडा रोड, कालिंदी कुंज और विकास मार्ग समेत अन्य प्रमुख सड़कें शामिल हैं। सुबह 11रू30 बजे से दोपहर 2रू30 बजे के बीच पूसा में सबसे अधिक 80 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई। इसके बाद जनकपुरी में 72 मिमी, लोधी रोड में 63.4 मिमी, छतरपुर में 57.5 मिमी, सफदरजंग में 51 मिमी, आयानगर में 50.1 मिमी, नारायणा में 44 मिमी, रिज में 37.3 मिमी, मयूर विहार में 33.5 मिमी और पालम में 26 मिमी बारिश दर्ज की गई।इस तीन घंटे की अवधि में जाफरपुर में आठ मिमी बारिश हुई, जबकि नजफगढ़ में कोई बारिश दर्ज नहीं की गई। सफदरजंग मेंन्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 1.8 डिग्री कम रहा। पालम में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया,

विप्रा की आंखों के सामने भूमाफियाओं का साम्राज्य! बिना नक्शा स्वीकृत विकसित हो रही हैं सैकड़ों कॉलोनियां, आला अफसर मौन

×षि भूमि पर ही ध इल्ले से गतिमान हैं प्लश्टिंग, नियमों की उड़ रही धज्जियांय सवालों के घेरे में विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली कश्लोनाइजर इलेक्ट्रीफाइड बता कर विक्रय कर देते हैं कश्लोनी, विद्युत विभाग बेखबर

ए.के.शर्मा

मथुरा। जनपद में मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण यानि विप्रा की मिली भगत से आंखो के सामने अवैध कॉलोनियों के विकसित होने का जाल लगातार दिन प्रतिदिन संक्रमण की तरह फैलता जा रहा है। आरोप है कि भूमाफिया और कॉलोनाइजर विकास प्राधिकरण की आंखों के सामने कृषि भूमि पर बिना नक्शा स्वीकृत कराए सैकड़ों आवासीय कॉलोनियां बसा रहे हैं। खेतों को प्लॉटों में बदलकर खुलेआम बिक्री की जा रही है, जबकि नियमानुसारआवासीय कालोनी को विकसित करने से पूर्व कृषि भूमि को आवासीय कराने के साथ साथ विकास प्राधिकरण से लेआउट और नक्शा स्वीकृत कराना अनिवार्य होता है लेकिन इस प्रक्रिया को भूमाफिया शून्य करार कर धड़ल्ले से कॉलोनी

विकसित कर प्लॉटस को विक्रय कर रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में कई स्थानों पर अवैध प्लॉटिंग का कारोबार तेजी से चल रहा है। कॉलोनाइजर न तो मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं और न ही वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन कर रहे हैं। इसके बावजूद कार्रवाई न होने से विकास प्राधिकरण की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं।

जानकारों का कहना है कि बिना स्वीकृत कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने वाले लोगों को भविष्य में सड़क, नाली, बिजली, पानी और अन्य सुविधाओं के साथ–साथ स्वामित्व संबंधी विवादों का भी सामना करना पड़ सकता है। इसके बावजूद अवैध कॉलोनियों मे निर्माण लगातार जारी है क्षेत्र में चर्चा है कि शिकायत आने पर विकास प्राधिकरण समय–समय पर नोटिस जारी करने की औपचारिकता तो करता है, लेकिन उसके बाद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अवैध निर्माण और प्लॉटिंग का सिलसिला नहीं रुक रहा है । इससे भूमाफियाओं के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं।

अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी है कि विकास प्राधिकरण अवैध कॉलोनियों और भूमाफियाओं के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई करता है या फिर यह अवैध कारोबार इसी तरह फलता–फूलता रहेगा।वही भूमाफिया कॉलोनी को विकसित करते समय विद्युत आपूर्ति दिखाने के उद्देश्य से विद्युत पोल लगाकर लाईन बिछाकर विभाग के ईर्द गिर्द साठ गांठ कर इलेक्टरीफाईड का हवाला देकर बाहरी ग्राहकों को फसा लेते हैं बाद मे जानकारी करने पर संज्ञान मे आता है की विकसित कॉलोनी अनाधिकृत रूप से विकसित हैं इसलिए विद्युत आपूर्ति स्वीकृत नहीं है तब विभाग ये कह कर अपना पल्ला झाड़ता है की उपभोक्ता को लेने से पहले पता करना चाहिए कुल मिलाकर विप्रा की आँखो के सामने विद्युत विभाग की अनभिज्ञता के चलते आखिर उपभोक्ता का ही शोषण होना गतिमान है।

इस पूरे मामले में विद्युत विभाग की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों का आरोप है कि कई ऐसी कॉलोनियों में विद्युत आपूर्ति संचालित है जिन्हें विकास प्राधिकरण से स्वीकृति या आवश्यक एनओसी प्राप्त नहीं है, लेकिन इलेक्ट्रिफाइड की प्रक्रिया पूरी कर दी जाती है। नक्शा विरुद्ध ऐसी कॉलोनियों में विद्युत सुविधा कैसे उपलब्ध कराई जा रही है ?

12 विद्यालयों में प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं का आठवाँ चरण आयोजित

लखनऊ/प्रयागराज। भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती माह के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय युवा खत्री समाज (पंजीकृत), द्वारा आयोजित प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं का आठवाँ चरण मंगलवार को जनपद के 12 विद्यालयों एवं प्रशिक्षण केंद्रों में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। चित्रकला, निबंध लेखन एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, सृजनशीलता और सांस्कृतिक चेतना का उत्कृष्ट परिचय दिया।

इस चरण में दयानन्द पब्लिक स्कूल, डी.ए.वी. स्कूल, जमुना कॉलेज, जीनियस इंटर कॉलेज (झलवा), दून पब्लिक स्कूल (राजरूपपुर), सरस्वती विद्या मंदिर (कटघर), वृंदा कराट (कटघर), महिला सिलाई–कढ़ाई केंद्र (कटघर) तथा रामराज इंटर कॉलेज (बघाड़ा) सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में प्रतियोगिताएँ सफलतापूर्वक आयोजित की गईं। विद्यालयों के प्रधानाचार्यों, शिक्षकों एवं प्रबंधन का आयोजन को सफल बनाने में सराहनीय सहयोग रहा।

आयोजन के सफल संचालन में कमलेश, शिवानी जायसवाल,

सौरभ मिश्रा, आरती,आस्था, शिवानी, प्रियंका मिश्रा, निकहत बानो, मनीष, बृजेन्द्र त्रिपाठी, मनप्रीत कौर,अनीता सोनकर, डॉ. नीता साहू, नीलम, माला, शीला बहल, अंकित टंडन, अक्षत सिड़ाना सहित अनेक सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह जानकारी देते हुए समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनन्द जी टंडन पप्पन जी ने बताया कि प्रतियोगिताओं का भव्य समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 1 अगस्त को लोकसेवक मंडल (लाजपत शिशु विहार), कल्याणी देवी, प्रयागराज में सायं 6:00 बजे आयोजित होगा। समारोह के मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति गौतम चौधरी होंगे। समारोह की अध्यक्षता अखिल भारतीय युवा खत्री समाज (पंजीकृत),के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण बहल करेंगे। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव अखिल कक्कड़ सहित समाज के अनेक पदाधिकारी, शिक्षाविद्, गणमान्य नागरिक एवं प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों ने जनपद के सभी विद्यालयों, अभिभावकों एवं नागरिकों से समारोह में सहभागी बनने का आग्रह किया है।

उत्तर प्रदेश पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 15 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश शासन ने पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 15 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार कई महत्वपूर्ण जोन, पुलिस कमिश्नरेट, अभिसूचना, सुरक्षा, तकनीकी सेवाएं, गृह विभाग और पुलिस मुख्यालय में नई नियुक्तियां की गई हैं। कुछ अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।तबादला सूची के अनुसार गोरखपुर जोन में तैनात पुलिस महानिदेशक मुथा अशोक जैन को पुलिस महानिदेशक अग्निशमन एवं आपात सेवाएं, मुख्यालय लखनऊ की जिम्मेदारी सौंपी गई है।लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र के. सेंगर को पुलिस महानिदेशक अभिसूचना नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें पुलिस महानिदेशक सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।अपर पुलिस महानिदेशक लॉजिस्टिक्स राम कुमार को गोरखपुर जोन का अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है, जबकि तकनीकी सेवाएं में तैनात नवीन अरोरा को वाराणसी जोन का अपर पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है।वाराणसी जोन के अपर पुलिस महानिदेशक पीयूष मोर्डिया को प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट का नया पुलिस आयुक्त बनाया गया है। वहीं अभिसूचना विभाग के अपर पुलिस महानिदेशक भगवान एस. श्रीवास्तव को तकनीकी सेवाएं का अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है।उत्तर प्रदेश पुलिस मुख्यालय में तैनात अपर पुलिस महानिदेशक डॉ. संजीव गुप्ता को अपने वर्तमान दायित्व के साथ–साथ अपर पुलिस महानिदेशक लॉजिस्टिक्स का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है।सुरक्षा विभाग के अपर पुलिस महानिदेशक तरुण गाबा को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट का नया पुलिस आयुक्त बनाया गया है। उनके स्थानांतरण के साथ राजधानी को नया पुलिस नेतृत्व मिला है।पुलिस महानिरीक्षक होमगार्ड्स धर्मवीर को पीएसी पूर्वी जोन, प्रयागराज का पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है। सचिव (गृह) मोहित गुप्ता का तबादला कर उन्हें भ्रष्टाचार निवारण संगठन में पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है।डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी, मुरादाबाद के पुलिस महानिरीक्षक विनोद कुमार सिंह को विशेष जांच शाखा में पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है। प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त जोगेन्द्र कुमार को पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय (पीटीएस) मुरादाबाद का पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है।भ्रष्टाचार निवारण संगठन में तैनात पुलिस महानिरीक्षक आनंद सुरेशराव कुलकर्णी को सचिव (गृह), उत्तर प्रदेश शासन बनाया गया है।इसके अलावा अनूप कुमार सिंह को पुलिस अधीक्षक के रूप में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) मुख्यालय से संबद्ध किया गया है। आनंद कुमार को पुलिस महानिदेशक मुख्यालय से संबद्ध करते हुए नई जिम्मेदारी दी गई है, जबकि लोक शिकायत प्रकोष्ठ में भी नई तैनाती की गई है।इस व्यापक प्रशासनिक फेरबदल को प्रदेश सरकार द्वारा कानून–व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने, पुलिस प्रशासन में कार्यकुशलता बढ़ाने तथा विभिन्न महत्वपूर्ण इकाइयों में अनुभवी अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कांवड़ यात्रा मार्गो पर मांस-मदिरा की दुकानें बंद

श्रद्धालुओं की आस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं- डिप्टी सीएम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 30 जुलाई से शुरू हो रहे पवित्र श्रावण मास और कांवड़ यात्रा की तैयारियों की जानकारी दी। प्रयागराज में उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की आस्था और सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि यात्रा के दौरान किसी भी श्रद्धालु की धार्मिक भावनाएं आहत न हों और यात्रा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो।

डिप्टी सीएम मौर्य ने बताया कि प्रदेश सरकार ने निर्देश दिए हैं कि कांवड़ यात्रा के सभी प्रमुख मार्गों पर मांस और मदिरा की दुकानें पूरी तरह बंद रहेंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्रावण मास करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का पर्व है और सरकार इसकी पवित्रता बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठा रही है। प्रयागराज में

मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने कांवड़ यात्रा मार्गों पर विशेष निगरानी के निर्देश दिए हैं। यदि कोई व्यक्ति अलग नाम या पहचान का इस्तेमाल कर खाने–पीने की वस्तुएं बेचकर कांवड़ियों की धार्मिक आस्था को प्रभावित करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार ऐसे मामलों पर विशेष नजर रखे हुए है।केशव मौर्य ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद पिछले नौ वर्षों में कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई है। इस दौरान किसी बड़ी अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी गई। उन्होंने विश्वास जताया कि इस वर्ष भी सरकार की व्यापक तैयारियों के चलते यात्रा सकुशल संपन्न होगी।इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश मौर्य, काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, डॉ शैलेश पांडेय, विजय द्विवेदी, अनुज कुशवाहा, विवेक मिश्रा, पवन श्रीवास्तव, सुजीत कुशवाहा, आनन्द दुबे आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाटी गांव में महिला की निर्मम हत्या

दिनदहाड़े घर की पहली मंजिल बनी खून का मंजर, जैंत में दहशत - मौके पर पहुचे सीओ सदर वरुण मिश्रा, शव पोस्टमार्टम को भेजा, हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी पुलिस

(मथुरा)(ए.के. शर्मा)

एक और खौफनाक वारदात ने जैंत में दहशत और पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया। जैंत थाना क्षेत्र के गांव बाटी में दोपहर घर के अंदर महिला की गर्दन रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। लाश घर की पहली मंजिल पर खून से लथपथ मिली।

28 जुलाई की दोपहर थाना जैंत को सूचना मिली कि बाटी निवासी एक महिला का शव उसके मकान के प्रथम तल पर पड़ा है। सूचना मिलते ही थाना पुलिस

और सीओ सदर वरुण मिश्रा फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। अंदर का नजारा देखकर पुलिसकर्मियों के भी रोंगटे खड़े हो गए। महिला की गर्दन पर धारदार हथियार के कई गहरे घाव थे। कमरे में हर तरफ खून बिखरा पड़ा था।

हत्या या कुछ और?

पुलिस हर एंगल पर जांच रही है। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए। शव को पंचनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फिलहाल पुलिस ये पता लगाने में जुटी है कि ये लूट, रंजिश या घरेलू विवाद का मामला है। घर के आसपास और परिजनों से पूछताछ की जा रही है। घर में तोड़फोड़ के निशान हैं या नहीं, ये भी खंगाला जा रहा है। क्षेत्राधिकारी सदर वरुण मिश्रा ने कहा कि ष्मामला गंभीर है। गर्दन पर धारदार हथियार के निशान हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।ष

गांव में पसरा सन्नाटा

दिनदहाड़े हुई इस वारदात के बाद बाटी गांव में दहशत है। महिलाएं घरों से निकलने से डर रही हैं। पुलिस ने आसपास लगे कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। घर के अंदर, दिन के उजाले में, गर्दन रेतकर हत्या। ये सवाल खड़ा कर रहा है कि आखिर किसने और क्यों दी इस महिला को इतनी दर्दनाक मौत?

पत्रकारों की सुरक्षा होगी- मनीष वर्मा

पत्रकारों पर बढ़ते हमलों और धमकियों पर जताई चिंता, सुरक्षा के लिए सख्त व्यवस्था की मांग

प्रयागराज। पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब का एक प्रतिनिधि मंडल जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा और एडिशनल कमिश्नर अजय पाल शर्मा से मिला।

सम्मान और निर्भय होकर कार्य वातावरण सुनिश्चित कराने की मांग को लेकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने क्लब के संस्थापक संरक्षक वीरेंद्र पाठक के नेतृत्व में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा को और एडिशनल पुलिस कमिश्नर डॉ अजय पाल शर्मा को एक ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने हाल के दिनों में पत्रकारों के साथ हुई घटनाओं से जिलाधिकारी को अवगत कराते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई तथा पत्रकारों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था किए जाने की मांग की ज्ञापन में बताया गया कि 25 जुलाई को प्रयागराज में छात्रों के प्रदर्शन की कवरेज के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने महिला पत्रकार अनम फातिमा सहित कई पत्रकारों के साथ अभद्रता की। महिला पत्रकार के साथ अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया तथा शारीरिक क्षति भी पहुंचाई। महिला पत्रकार ने इस संबंध में जिलाधिकारी को पूरी घटना से अवगत कराया।

इसके अलावा नवाबगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले एक राष्ट्रीय समाचार चौनल के पत्रकार विकास मिश्रा ने भी जिलाधिकारी को बताया कि उन्होंने अपने क्षेत्र में तालाब की भूमि पर अवैध कब्जे की खबर प्रसारित की थी। इससे नाराज कुछ लोगों ने उन्हें रास्ते में रोककर जान से मारने की ध मकी दी और भविष्य में इस प्रकार की खबर प्रकाशित या प्रसारित करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी।

मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि पत्रकार निर्भय होकर अपना काम करें अगर कोई अराजक तत्व इनको हानि पहुंचाएगी उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने तत्काल संबंधि त अधिकारी को कार्रवाई का आदेश दिया। इसी तरह एडिशनल पुलिस कमिश्नर डॉ अजय पाल शर्मा ने प्रतिनिधि मंडल की बातों को सुना और तत्काल संबंधित थाने के प्रभारी को दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आदेश दिया।

क्लब के संस्थापक संरक्षक वीरेंद्र पाठक ने कहा कि जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले पत्रकारों को अक्सर विभिन्न प्रकार के दबाव, धमकियों और हमलों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस नीति और सख्त नियम बनाए जाने की आवश्यकता है, ताकि वे निर्भीक होकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें।

छात्र आंदोलन की आड़ में उपद्रव करने वालों पर कार्रवाई होगी- केशव प्रसाद

गुंडों पर कार्रवाई से सपा परेशान:- डिप्टी सीएम

प्रयागराज। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने है कहा कि, अपराधी अगर छात्रों की आड़ लेकर राजनीतिक दुश्मनी निभाएगा, बीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमला करेगा, तो उसकी जांच होगी और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। तोड़फोड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई पर अखिलेश यादव के आरोपों पर डिप्टी सीएम ने पलटवार किया।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को इसलिए तकलीफ हो रही है कि सपा के गुंडों ने जो अपराध किया है पुलिस उसकी जांच कर कार्रवाई कर रही है। मंगलवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए छात्र आंदोलन के दौरान वाहनों में की गई तोड़फोड़ को लेकर कहा कि मैंने पहले ही कहा था कि यह हिंसा छात्रों ने नहीं की है। छात्रों की आड़ लेकर सपा के लोगों ने हिंसा और तोड़फोड़ की है। छात्रों ने कोई गलती भी की होगी तो उसे सरकार ने माफ करने का वायदा किया है, लेकिन अपराधी को माफी नहीं मिलेगी।ज्ञात हो कि पुलिस ने 25 जुलाई को हुए उपद्रव के मामले में तीन एफआईआर दर्ज की है। उसी के तहत 10 आरोपियों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी की है।

इस पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जब गुंडों और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई होती है तो उसका सीधा दर्द अखिलेश यादव और उनकी पार्टी के लोगों को दिखाई देता है। केशव प्रसाद मौर्य पिछले तीन दिन से प्रयागराज में हैं।आज मेजा में हुए कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए।संसद में आज पब्लिक एग्जामिनेशन संशोध न बिल पर चर्चा को लेकर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि इसका स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोमवार को भी संसद में चर्चा होनी थी। लेकिन विपक्ष के रवैये के चलते इस पर चर्चा नहीं हो सकी थी। कहा कि, विपक्ष मुद्दा विहीन है और ऐसे मुद्दों उठा कर लाता है जिस पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। पेपर लीक जैसे गंभीर विषय पर चर्चा में व्यवधान डालता है।डिप्टी सीएम ने कहा कि पेपर लीक जैसी बड़ी समस्या देश के सामने खड़ी है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को राजनीतिक नफा–नुकसान की भावना से नहीं देखना चाहिए। उन्होंने कहा है कि पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए।

इंस्टाग्राम पर मिली सुराग से खुला नाबालिग किशोरी के अपहरण का मामला, सरोजनीनगर पुलिस ने आरोपी को दबोचा

लखनऊ, (आरएनएस)। राजधानी की सरोजनीनगर पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला–फुसलाकर भगाने के मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने किशोरी को सकुशल बरामद कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की कार्रवाई पूरी की, जबकि गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। मामले की विवेचना जारी है।पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के निर्देश पर महिलाओं और बालिकाओं के विरुद्ध अपराध ों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) मोहम्मद मुस्ताक के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। अभियान का नेतृत्व अपर पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) रल्लापल्ली वसंत कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर अभिषेक कुमार पाण्डेय तथा प्रभारी निरीक्षक सरोजनीनगर राजदेव प्रजापति के निर्देशन में किया गया।पुलिस के अनुसार 19 जुलाई 2026 को पीड़िता की मां ने सरोजनीनगर थाने में तहरीर देकर बताया था कि उनकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री को सुमित रावत नामक युवक बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया है। उन्होंने पुलिस को बताया कि इंस्टाग्राम पर बेटी की तस्वीर देखने के बाद उन्हें संदेह हुआ कि आरोपी ही उसे अपने साथ लेकर गया है। तहरीर के आधार पर सरोजनीनगर थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत सुमित रावत और एक अन्य नामजद आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। मामला दर्ज होते ही पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) के निर्देश पर किशोरी की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई।पुलिस लगातार तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपी की तलाश कर रही थी।

जिलाधिकारी ने जनप्रतिनिधियों के साथ की समीक्षा बैठक, विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था पर किया मंथन

मीरजापुर 28 जुलाई 2026–जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में जनपद के मा0 जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनके क्षेत्र की समस्याओंध फीडबैकध्सुझाव, विकास कार्य श्रावण मास एवं कानून व्यवस्था

की समीक्षा की गई। बैठक में मा0 विधायक नगर रत्नाकर मिश्र, मड़िहान रमाषंकर सिंह पटेल, मझवा सुचिस्मिता मौर्य, छानबे रिंकी कोल, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौषिक, मुख्य विकास अधिकारी विषाल कुमार, अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 विनोद कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अविनाष सिंह, मा0 राज्यभा सांसद अरूण सिंह के प्रतिनिधि धनंजय पाण्डेय, मा0 सदस्य विधान परिषद श्याम नरायण सिंह विनीत सिंह के प्रतिनिधि रवि दूबे, अपना दल एस से प्रदेष उपाध्यक्ष आई0टी0 मंच दुर्गेष पटेल के अलावा अधिषासी अभियंता विद्युत, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जनप्रतिनिधियों से सतत संवाद एवं समन्वय बनाए रखने, उनके क्षेत्रों की समस्याओं, विकास कार्यों, जनहित से संबंधित सुझावों एवं फीडबैक के साथ–साथ श्रावण मास की व्यवस्थाओं तथा शांति एवं कानून व्यवस्था के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्रों में संचालित विकास परियोजनाओं, मूलभूत सुविधाओं एवं जनसमस्याओं के संबंध में सुझाव प्राप्त किए तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए प्रत्येक बिंदु का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

श्रावण मास के दृष्टिगत मंदिरों एवं प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में जनपद की शांति एवं कानून व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निगरानी रखने, नियमित भ्रमण करने, आपसी सौहार्द बनाए रखने तथा जनसामान्य की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मा0 जनप्रतिनिधिगणों ने अपने क्षेत्र सम्बन्धित समस्याओं में यथा–सड़क निर्माण कार्य चौड़ीकरण, खराब ट्रांसफार्मरो को बदलवाना व विद्युत कटौती में सुधार, पानी निकासी सहित अपने क्षेत्र की अन्य समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया जिस पर उनके द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देषित किया कि मा0 जनप्रतिनिधगणों के द्वारा बताई गई समस्याओं का त्वरित गति से निस्तारण किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सुझाव एवं फीडबैक प्रशासन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रशासन जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनपद के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

3 साल के बेटे की गला दबाकर हत्या!

एक महीने तक पति से छिपाती रही सच, फिर 112 पर हुआ खुलासा
ष्बच्चा खेलते समय गिर गया थाष बोलकर कर दिया अंतिम संस्कार, अब महिला के खिलाफ बलदेव पुलिस ने दर्ज किया हत्या का मुकदमा

(मथुरा)
रिश्तों को शर्मसार और ममता को कलंकित कर देने वाली वारदात में बलदेव थाना क्षेत्र के गांव छौली में एक मां ने अपने ही 3 साल के मासूम बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद करीब एक महीने तक इस सच को पति से छिपाया गया और बच्चे का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया।

27 जुलाई 2026 शाम 7रू30 बजे 112 पर कॉल करके गोविंद गुप्ता ने पुलिस को सूचना दी कि उसकी भाभी रुचि गुप्ता ने अपने 3 साल के बच्चे की गला दबाकर हत्या कर दी है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी बलदेव फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। पूछताछ में सामने आया कि घटना 28 जून 2026 की है। रुचि गुप्ता का आरोप है कि बच्चा खेलते समय शरारत कर रहा था। उसे रोकने के दौरान गुस्से में उसने बच्चे की पिटाई की और एक्सीडेंटली गला दब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक हत्या के बाद रुचि ने पति को बताया कि ष्बच्चा उठ नहीं रहा, काफी देर से सो रहा हैष आनन–फानन में पति बच्चे को पहले सिम्स हॉस्पिटल और फिर दूसरे अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लेकिन रुचि ने पति को हत्या वाली बात नहीं बताई। इसके बाद परिवार ने बच्चे का अंतिम संस्कार भी कर दिया। अब जाकर रुचि ने पति के सामने कन्फेस किया कि बच्चा शरारत कर रहा था तो उसने गुस्से में आकर बच्चे का गला दबा दिया था। एक पल के गुस्से ने मां–बेटे के रिश्ते को तार–तार कर दिया। एक महीने तक दबा रहा राज अब खुला तो पूरे गांव में सनसनी फैल गई है।

दोषी के खिलाफ कड़ी कानूनी

कार्रवाई- क्षेत्राधिकारी महावन

परिजनों की तहरीर पर थाना बलदेव में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराने और मामले की गहराई से जांच की जा रही है। क्षेत्राधिकारी महावन संजीव कुमार राय ने कहा कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। दोषी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के पुतला दहन पर भारी आक्रोश

सपाईयों ने शहर कोतवाली का घेराव कर मुकदमा दर्ज करने की मांग की

मिर्जापुर, 28 जुलाई। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला जलाए जाने के विरोध में समाजवादी पार्टी द्वारा भारी संख्या में शहर कोतवाली पहुंच कर प्रदर्शन करते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई।

इस अवसर पर पार्टी के नगर अध्यक्ष रवि सोनकर ने कहा कि कुछ अराजक तत्वों द्वारा स्थानीय

संकटमोचन तिराहे पर अभद्र व्यवहार करते हुए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव जी का पुतला दहन किया गया, जो कि कानूनन अपराध है। इस अपराधिक कृत्य को कारित करने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही हेतु पार्टी द्वारा शहर कोतवाल को नामजद प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग करते हुए चेतावनी दी गई कि यदि इन अराजक तत्वों के विरुद्ध दो दिन के अंदर मुकदमा दर्ज नहीं किया जाता है तो सपा कार्यकर्ता भी शहर के विभिन्न चौराहों पर पुतला दहन का अभियान चलाएंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी पुलिस व जिला प्रशासन की होगी।

इस अवसर पर उपस्थित पार्टीजनों मे मुख्य रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष आशीष यादव, गुलाब चंद्र यादव मुन्नी, रोहित शुक्ला लल्लू, डॉ. शक्ति श्रीवास्तव, संतोष गोयल, झल्लू यादव, अनीस खान, मेवा लाल प्रजापति, राममिलन यादव, सभासद विनोद यादव व राकेश यादव, जाहिद अख्तर, रामजी यादव, राजकुमार यादव, प्रिंस राव, लवकुश यादव, आकाश यादव, आकांक्षा यादव, वंदना गुप्ता, मो. शाहिद, अनुराग तिवारी, अमरेश सोनकर, रविन्द्र यादव, कृपा शंकर जायसवाल, छविनाथ विश्वकर्मा, धीरेन्द्र सिंह, संदीप बिंद, ननकू मोदनवाल, अजय पटेल व विनोद कुमार इत्यादि शामिल रहे।

बेनूर और कृष्णानंद को सृजन सम्मान

लखनऊ। यू पी प्रेस क्लब व उत्तर प्रदेश साहित्य सभा की ओर से 171 वां सृजन सम्मान राम शब्द बेनूर व सृजन प्रेरणा

सम्मान पर्यावरण प्रहरी कृष्णानंद राय को हसीब सिद्दीकी शिव शरण सिंह सर्वेश अस्थाना अध्यक्ष भ्रमर बैसवारी राम प्रकाश प्रकाश ने शाल प्रतीक चिन्ह देकर किया। प्रतिभा श्रीवास्तव के संयोजन व शीतल बाजपेयी के संचालन में डॉ सुभाष रसिया, योगी योगेश शुक्ल, सच्चिदानंद शलभ, मुकुल महान, विनोद शंकर शुक्ल विनोद, जहाँ आरा, पूर्णिमा बेदार, अनिता अरोरा, पूजा श्रीवास्तव, राधा बिष्ट, हरि मोहन बाजपेयी, माधव डॉ संतोष राजपाल, अरविंद झा, राजीव वत्सल, प्रतिभा गुप्ता, डॉ सुभाष गुरुदेव, सच्चिदानंद मुन्ना पाठक, गिरधर खरे, खालिद हुसैन, प्रमोद श्रीवास्तव, रश्मि श्रीवास्तव, मनस्वी श्वेता, अमित श्रीवास्तव अशोक राठौर, सुनीता चतुर्वेदी, दीपक शर्मा, अच्युतानंद जैसवाल सार्थक सहित 50 रचनाकारों ने काव्यपाठ किया।

बोनट में ऑयल डालो, बैग उड़ाओ का टप्पेबाज फॉर्मूला फेल!

मथुरा पुलिस ने 25 लाख के टप्पेबाज को दिल्ली से गिरप्तार कर किया पर्दाफाश
टप्पेबाज से शत प्रतिशत 25 लाख की बरामदगी कर जनता मे जगाया विश्वास का प्रकाश
सिम्स हश्स्पिटल के पास व्यापारी से लूटी थी 25 लाख की रकम, 5 दिन बाद स्वश्ट-एसओजी की रडार पर आया शातिर, बरामद हुई जिक्सर बाइक

ए.के शर्मा
(मथुरा)

हाईवे पर टप्पेबाजी करके लाखों उड़ाने वालों के लिए खतरे की घंटी बनी थाना हाईवे, सर्विलांस, साइबर, स्वॉट और एसओजी की संयुक्त टीम ने 25 लाख की टप्पेबाजी का मामला सिर्फ 5 दिन में ट्रेस कर डाला। दिल्ली का शातिर टप्पेबाज पुलिस के हत्थे चढ़ा और सबसे बड़ी बात यह है कि पूरा पैसा शत–प्रतिशत हुआ बरामद।शातिर प्लान के साथ मात खाए शातिर टप्पेबाजों से जुड़ी यह घटना 20 जुलाई शाम 6 बजे की है, जब चंद्रा प्लाईवुड व्यापारी का कर्मचारी कार यूपी 85 बीवाई 0740 में 25 लाख नकद लेकर गोविंद नगर जा रहा था। आरोपी पहले से गोवर्धन चौराहे पर कार के बोनट में ऑयल डाल चुके थे। सिम्स हॉस्पिटल के पास पहुंचते ही बाइक सवार 2 बदमाशों ने ओवरटेक कर इशारा किया ष्साहब गाड़ी से धुआं निकल रहा हैष। जैसे ही ड्राइवर बोनट खोलने उतरा, पीछे से आए साथी ने कार का दरवाजा खोलकर नकदी से भरा बैग पार कर फरार। इस मामले में थाना हाईवे पर मुकदमा अपराध संख्या 711ध2026 धारा–305 बीएनएस दर्ज हुआ था। सीओ रिफाइनरी प्रवीण कुमार तिवारी के निर्देशन मे टेक्निकल सर्विलांस एक्सपर्ट पुलिस ने हार नहीं मानी। साइबर और सर्विलांस टीम ने आरोपी की लोकेशन खंगालनी शुरू की। मुखबिर तंत्र एक्टिव हुआ। 27 जुलाई रात 11रू55 बजे सलेमपुर–पालीखेड़ा रोड पर घेराबंदी कर 24 वर्षीय अक्षय पुत्र मारमुत्तु निवासी मदनगिरी, सी–ब्लॉक, अंबेडकर नगर, साउथ दिल्ली को दबोच लिया गया। अक्षय के पास से पुलिस को एक बैग में 25,00,000 रुपये नकद मिले, जिसमें एक भी रुपया कम नहीं था और घटना में प्रयुक्त सुजुकी जिक्सर–250 बाइक डीएल 3एस एफए 6427 मिली। पूछताछ में अक्षय ने बताया कि वो और उसका साथी मिलकर इसी तरीके से हाईवे पर वारदात करते थे। उसकी निशानदेही पर केस में धारा 318(4)ध317(2) बीएनएस बढ़ाई गई।

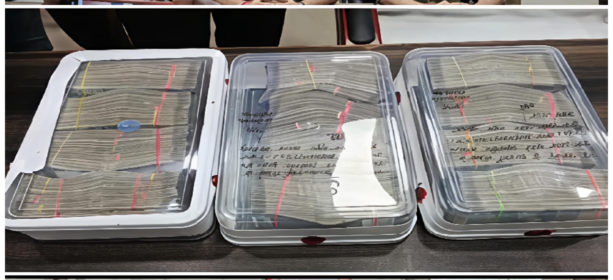

30 पुलिसकर्मियों का संयुक्तऑपरेशन

इस गिरफ्तारी के पीछे प्रभारी निरीक्षक प्रशांत कपिल के नेतृत्व में 5 टीमें थीं। स्वॉट, एसओजी, साइबर और सर्विलांस के अफसरों ने मिलकर आरोपी को दिल्ली से ट्रेस कर मथुरा में दबोचा। पुलिस का अल्टीमेटम था कि टप्पेबाजी करने वाले अब बच नहीं पाएंगे। तकनीक और मुखबिर दोनों पर हमारी नजर है। इसी की बदौलत हाईवे पर ष्शातिराना दिमागष दिखाने वाले अक्षय का प्लान मथुरा पुलिस के भी शातिर दिमाग के आगे ध्वस्त हो गया। सबसे बड़ी बात ये रही की मथुरा पुलिस ने खुलासे मे 5 दिन तो लगाए लेकिन पैसा की शत प्रतिशत बरामदगी कर आरोपी को भी सलाखों के पीछे भेजा हैं इससे जनता मे विश्वास का प्रकाश एक बार फिर जलने लगा हैं।

मां विंध्यवासिनी मेडिकल कश्लेज में विश्व हेपेटाइटिस दिवसरू हेपेटाइटिस बी-सी की मुफ्त जांच व उपचार की सुविधा उपलब्ध

मीरजापुर। आज विश्व हेपेटाइटिस दिवस के अवसर पर मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय से सम्बद्ध मंडलीय जिला चिकित्सालय मीरजापुर में वायरल हेपेटाइटिस से बचाव, जांच एवं उपचार पर एक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन डिपार्टमेंट ऑफ माइक्रोबायोलॉजी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय मीरजापुर के प्रधानाचार्य प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार सिंह रहे। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को संबोधित करते हुए इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया और लीवर की अच्छी सेहत के लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी।

कार्यक्रम में की गईं ये स्वास्थ्य गतिविधियां

वैक्सीनेशनरू स्वास्थ्य कर्मियों को हेपेटाइटिस–बी की वैक्सीनध्बूस्टर डोज दी गई।

एंटीबॉडी टेस्ट– स्वास्थ्य कर्मियों का एंटी–हेपेटाइटिस बी एंटीबॉडी टाइटर टेस्ट कर उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता की जांच की गई।

जागरूकतारूमंडलीय जिला चिकित्सालय की ओपीडी में आए रोगियों एवं उनके परिजनों को वायरल हेपेटाइटिस से बचाव के उपाय बताए गए और ब्रोशर वितरित किए गए।

कार्यक्रम की मुख्य आयोजक माइक्रोबायोलॉजी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. आकांक्षा दुबे ने बताया कि वायरल हेपेटाइटिस बी एवं सी के लिए वायरल लोड टेस्टिंग, जांच एवं उपचार निशुल्क उपलब्ध है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में माइक्रोबायोलॉजी विभाग के फैकल्टी सदस्य डॉ. अक्षय कुमार, डॉ. हर्षिता यादव, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सुनील सिंह एवं लैब टेक्नीशियन अमनदीप का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के अंत में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सचिन किशोर ने आयोजक मंडल एवं समस्त अस्पताल स्टाफ को धन्यवाद ज्ञापित किया।

गुरु - व्यक्तिनहीं, चेतना का शाश्वत तत्त्व -विनोद द्विवेदी

भारतीय संस्कृति का मूल आधार केवल पूजा–पद्धति या धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि वह ज्ञान परंपरा है जिसने हजारों वर्षों से मानव जीवन को दिशा देने का

कार्य किया है। इसी परंपरा की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैकृगुरु। गुरुपूर्णिमा का पर्व हमें केवल किसी एक गुरु का सम्मान करना नहीं सिखाता, बल्कि उस गुरु–तत्त्व के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है, जो मनुष्य को अज्ञान से ज्ञान, भ्रम से सत्य और स्वार्थ से लोकमंगल की ओर ले जाता है।

आज के समय में गुरु की परिभाषा को अक्सर किसी व्यक्ति विशेष तक सीमित कर दिया जाता है, जबकि भारतीय दर्शन गुरु को एक शाश्वत तत्त्व के रूप में स्वीकार करता है। गुरु वह है जो जीवन में प्रकाश का संचार करे, विवेक जगाए और आत्मबोधा की अनुभूति कराए। इसलिए सनातन परंपरा में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश के समान सम्मान प्रदान किया गया है। गुरु ही व्यक्ति के भीतर श्रेष्ठ संस्कारों का निर्माण करता है, उसका संरक्षण करता है और उसके दोषों का परिमार्जन भी करता है।

भारतीय मनीषा का यह विश्वास रहा है कि ज्ञान केवल पुस्तकों से प्राप्त नहीं होता। ज्ञान तब सार्थक बनता है, जब उसे जीवन में उतारने की प्रेरणा और मार्गदर्शन मिले। यही कार्य गुरु करता है। वह केवल शिक्षा नहीं देता, बल्कि दृष्टि देता हैय केवल जानकारी नहीं देता, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाता है। इसीलिए कबीरदास ने गुरु की महिमा को ईश्वर से भी ऊपर बताया। उनका संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना सदियों पहले था।

इतिहास साक्षी है कि भारत की सभ्यता और संस्कृति के निर्माण में गुरुओं की निर्णायक भूमिका रही है। महर्षि वशिष्ठ, विश्वामित्र, सांदीपनि, चाणक्य, आदि शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक महापुरुषों ने केवल अपने शिष्यों का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन किया। जब–जब समाज मूल्य–संकट से गुजरा, तब–तब गुरु–परंपरा ने उसे नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान की।

वर्तमान समय में तकनीक ने ज्ञान तक पहुँच को अत्यंत सरल बना दिया है। इंटरनेट पर सूचनाओं का विशाल भंडार उपलब्धा है, लेकिन सूचनाओं की अधिकता ने विवेक की आवश्यकता को और बढ़ा दिया है। आज मनुष्य के पास जानकारी तो बहुत है, परंतु सही और गलत का निर्णय करने की क्षमता का संकट भी उतना ही गहरा है। ऐसे समय में गुरु–तत्त्व की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। गुरु हमें केवल तथ्य नहीं बताते, बल्कि सत्य का बोध कराते हैं।

यह भी स्मरण रखना होगा कि सच्चा गुरु किसी संकीर्णता, अंधविश्वास या व्यक्तिपूजा का समर्थक नहीं होता। वह स्वतंत्र चिंतन, नैतिक आचरण, करुणा, अनुशासन और आत्मविकास का मार्ग प्रशस्त करता है। गुरु अपने शिष्य को अपने व्यक्तित्व का अनुयायी नहीं, बल्कि सत्य का साधक बनाता है। यही गुरु–शिष्य परंपरा की वास्तविक पहचान है।

गुरुपूर्णिमा केवल पुष्प अर्पित करने या औपचारिक सम्मान का अवसर नहीं है। यह आत्मचिंतन का भी पर्व है। यह दिन हमें यह विचार करने की प्रेरणा देता है कि क्या हम अपने गुरुजनों, माता–पिता, शिक्षकों और उन सभी व्यक्तित्वों के बताए आदर्शों को अपने जीवन में उतार पा रहे हैं, जिन्होंने हमें सही दिशा दिखाई है। यदि नहीं, तो यही अवसर है अपने जीवन को पुनः संस्कार, ज्ञान और नैतिकता के पथ पर अग्रसर करने का।

भारतीय संस्कृति की यह विशेषता रही है कि उसने गुरु को कभी केवल व्यक्ति नहीं माना, बल्कि एक ऐसी दिव्य चेतना के रूप में स्वीकार किया जो युगों–युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहती है। जब तक समाज में गुरु–तत्त्व का सम्मान बना रहेगा, तब तक ज्ञान, संस्कृति, नैतिकता और मानवीय मूल्यों की ज्योति भी प्रज्वलित रहेगी।

गुरुपूर्णिमा का वास्तविक संदेश यही है कि गुरु की पूजा केवल चरण स्पर्श से नहीं, बल्कि उनके बताए सत्य, सदाचार और सेवा के मार्ग पर चलकर ही पूर्ण होती है।

हत्यारोपी आला कत्ल चाकू के साथ गिरफ्तार, भेजा गया जेल

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद के कुबेरस्थान पुलिस ने हत्या के मामले में वांछित एक अभियुक्त को आला कध्त्ल चाकू के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।पुलिस के अनुसार बीते 27 जुलाई को थाना कुबेरस्थान थाना क्षेत्र के ग्राम पचरुखिया टोला धनटोली के निकट गंडक नहर के कच्ची पटरी पर हीरालाल पुत्र स्व. घरभरन उम्र 32 वर्ष की धारदार हथियार से चोट पहुंचकर हत्या करने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया तथा मृतक की पत्नी की तहरीर पर थाना कुबेरस्थान में मु0अ0सं0 152ध2026 धारा 103(1) बीएनएस के अन्तर्गत मुकदमा दर्ज किया गया था। आज 28 जुलाई को कुबेरस्थान पुलिस टीम द्वारा घटना में शामिल अभियुक्त शहजाद उर्फ सज्जाद पुत्र अहमद मियां निवासी रतनचक थाना मीरगंज जनपद गोपालगंज राज्य बिहार को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने बताया कि मृतक हीरालाल की पत्नी ममता देवी का अभियुक्त शहजाद उर्फ सज्जाद के साथ अवैध संबंध था। मृतक को इसकी जानकारी होने पर उसने पत्नी को संबंध समाप्त करने को कहा।अभियुक्त द्वारा मृतक के पत्नी को आपत्तिजनक वीडियो के आधार पर ब्लैकमेल किए जाने की बात सामने आई। मृतक ने पत्नी के माध्यम से अभियुक्त को बुलवाकर उसके मोबाइल से वीडियो डिलीट कराने की योजना बनाई।

यूरिया खाद के लिए किसानों की भीड़ उमड़ी

जौनपुर। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के गोपालापुर खाद समिति पर मंगलवार सुबह यूरिया खाद लेने के लिए किसानों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। किसान धान की फसल के लिए यूरिया खाद लेने पहुंचे थे। खाद लेने पहुंचे किसानों ने बताया कि बासापुर, अढ़नपुर, मुंसीपुर और ठाठर जैसी कई सरकारी समितियों पर यूरिया खाद खत्म हो गया है। कई दिनों तक चक्कर काटने के बाद उन्हें सूचना मिली कि गोपालापुर समिति पर खाद का वितरण किया जा रहा है, जिसके बाद वे यहां पहुंचे। किसानों ने बताया कि धान की रोपाई और सिंचाई के बाद अब फसल में यूरिया खाद का छिड़काव करना अनिवार्य है। अन्य समितियों में खाद की कमी के कारण उन्हें एक समिति से दूसरी समिति भटकना पड़ रहा है।इस मामले में गोपालापुर सरकारी समिति के सचिव नवनीत सिंह ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समिति पर यूरिया खाद की कोई कमी नहीं है और आए हुए किसानों को बारी–बारी से खाद का वितरण किया जा रहा है।

चकमार्ग पर अवैध कब्जा का मामला गरमाया

जौनपुर। मड़ियाहूं तहसील क्षेत्र के खरगसीपुर गांव में ग्राम सभा के चकमार्ग पर कथित अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। मंगलवार को गांव के बृजेश कुमार, नागेश, धर्मेंद्र, राजेश, शिव शंकर और धनई सहित कई ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी मड़ियाहूं को प्रार्थना पत्र देकर चकमार्ग की पैमाइश कराकर अतिक्रमण हटाने की मांग की है।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि गांव के कैलाशनाथ पुत्र राजाराम गौतम और देवनारायण पुत्र परशुराम गौतम द्वारा ग्राम सभा के चकमार्ग खाते की भूमि पर अवैध कब्जा कर पक्का निर्माण कराया जा रहा है।प्रार्थना पत्र के अनुसार, चकमार्ग के बड़े हिस्से पर पहले से कब्जा था और अब शेष मार्ग पर भी ईंट की बाउंड्रीवाल बनाकर अवैध निर्माण किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग पक्की सड़क से आबादी तक पहुंचने का मुख्य रास्ता था, जिसके अवरुद्ध होने से लोगों को दूसरे खेतों और चकमार्गों से होकर आवागमन करना पड़ रहा है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 29 जुलाई 2026
sheelshukla100@gmail.com

परिवार परम्परा एवं बिखरते रिश्ते पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता

माता–पिता और संतान, भाई–बहन, दादा–दादी और पोते–पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़घ्ती दूरी अब पति–पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा।परिवार केवल एक छत के नीचे रहने वाले लोगों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, धैर्य और संस्कारों का जीवंत विद्यालय है। जब इस विद्यालय की नींव कमजोर होने लगती है तो उसका प्रभाव केवल एक घर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा समाज उसकी कीमत चुकाता है। देश के बहुचर्चित सोनम रघुवंशी 'हनीमून मर्डर' प्रकरण की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा व्यक्त की गई चिंता केवल एक अपराध पर की गई टिप्पणी नहीं थी, बल्कि भारतीय समाज के बदलते चरित्र का गहन सामाजिक विश्लेषण थी। न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति पी. बी. वराले ने जिस पीड़ा के साथ कहा कि संयुक्त परिवार लोगों को धैर्य, संयम, सहनशीलता और समायोजन सिखाते थे, वहीं आज एकल परिवारों में अवसाद, असहिष्णुता और संबंधों का विघटन बढ़ रहा है, वह हमारे समय का कटु सत्य है। माता–पिता और संतान, भाई–बहन, दादा–दादी और पोते–पोतियों के बीच भी भावनात्मक दूरी लगातार बढ़ रही है, यह परिवार परम्परा एवं रिश्तों में बढ़घ्ती दूरी अब पति–पत्नी के बीच भी बड़ी दरारें डालने लगी है। रिश्तों का खोखलापन इतना बढ़ गया है कि अपनी ही पत्नी या पति की हत्या करने में भी तनिक संकोच नहीं रहा। ऐसे घटनाएं बार–बार देखने को मिल रही है। घर बड़े हो गए हैं, लेकिन दिल छोटे होते जा रहे हैं। सुविधाएं बढ़ी हैं, परंतु संवेदनाएं सिकुड़ती जा रही हैं। संवाद कम हो गए हैं और स्क्रीन का समय बढ़ गया है। परिणामस्वरूप रिश्ते धीरे–धीरे औपचारिकता में बदलते जा रहे हैं। हाल के वर्षों में विवाह से पहले अथवा विवाह के कुछ ही दिनों बाद हुई इन नृशंस हत्याओं ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल कानून–व्यवस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के पतन का संकेत है। जिन परिवारों में धन, प्रतिष्ठा और भौतिक सुख–सुविधाओं की कोई कमी नहीं थी, वहीं जीवन का सबसे बड़ा अभाव विश्वास और संतोष का था। संत कबीर का यह वचन आज पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है– 'जब आए संतोष धन, सब धन धूरि समान।' भौतिक संपन्नता कभी भी मानसिक शांति और रिश्तों की ऊष्मा नहीं खरीद सकती।भारतीय संस्कृति ने परिवार को केवल सामाजिक संस्था नहीं माना, बल्कि धर्म, संस्कृति और जीवन–मूल्यों का प्रथम विद्यालय माना है। संयुक्त परिवार में दादा–दादी केवल बुजुर्ग नहीं होते थे, वे अनुभवों के विश्वविद्यालय होते थे। नाना–नानी केवल रिश्तेदार नहीं, बल्कि संस्कारों के संरक्षक होते थे। बच्चों को कहानियों के माध्यम से धैर्य, करुणा, क्षमा, संयम और त्याग का पाठ पढ़ाया जाता था। घर का हर सदस्य दूसरे के दुःख का सहभागी होता था। इसलिए किसी एक व्यक्ति का तनाव पूरे परिवार की शक्ति से हल्का हो जाता था। आज यह

सुरक्षा–कवच तेजी से टूट रहा है। महत्वाकांक्षाओं की अंधी दौड़ में पति–पत्नी दोनों कार्यस्थल पर व्यस्त हैं। बच्चों का बचपन मोबाइल, टैबलेट और घरेलू सहायिकाओं के भरोसे बीत रहा है। जब बच्चा रोता है तो उसे गोद नहीं, मोबाइल थमा दिया जाता है। यह सुविधा का समाधान नहीं, संवेदनाओं का विस्थापन है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी कि 'भावनाओं का विकल्प गैजेट्स नहीं हो सकते', हमारे समय की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक चेतावनी है।डिजिटल क्रांति ने जीवन को सरल अवश्य बनाया है, लेकिन यदि तकनीक मनुष्य पर हावी हो जाए तो वह संबंधों की सबसे बड़ी शत्रु बन जाती है। आज परिवार एक ही कमरे में बैठकर भी अलग–अलग दुनिया में खोया रहता है। भोजन की मेज पर संवाद समाप्त हो गया है। आंखों में आंखें डालकर बातें करने की परंपरा लुप्त होती जा रही है। इससे भावनात्मक जुड़ाव कमजोर पड़ रहा है और अकेलापन बढ़ रहा है। इस पूरे संकट की जड़ केवल आधुनिकता नहीं है। समस्या आधुनिकता के असंतुलित और अंधानुकरण में है। पश्चिम से हमने तकनीक तो अपनाई, लेकिन उसकी सामाजिक चुनौतियों से सीख नहीं ली। अब पति और पत्नी के बीच तीसरा आना आम बात हो गयी है, और यही तीसरा समस्या की जड़ है। इस तरह के अवैध रिश्तों ने त्रासद घटनाओं को जन्म दिया है। भारतीय परिवार व्यवस्था की सबसे बड़ी विशेषता थी–'मैं' से पहले 'हम' का भाव। आज 'हम' की जगह 'मैं' ने ले ली है। अधिकारों की चर्चा तो बहुत होती है, लेकिन कर्तव्यों का स्मरण बहुत कम होता है। रिश्तों में बढ़ता अहंकार भी विघटन का बड़ा कारण है। पति–पत्नी दोनों अपने–अपने तर्कों को अंतिम सत्य मानने लगे हैं। कोई झुकना नहीं चाहता। जबकि भारतीय परंपरा ने सिखाया था कि झुकना हार नहीं, बल्कि संबंधों को बचाने की सबसे बड़ी जीत है। क्षमा और संवाद हर टूटते रिश्ते की पहली दवा हैं, किंतु आज संवाद की जगह आरोप और क्षमा की जगह प्रतिशोध ने ले ली है। यह भी विचारणीय है कि आज विवाह को जीवनभर का संस्कार नहीं, बल्कि सुविधानुसार निभाया जाने वाला अनुबंध समझा जाने लगा है। यही कारण है कि छोटी–छोटी असहमतियां भी अदालतों तक पहुंच रही हैं। न्यायालय न्याय दे सकता है, लेकिन प्रेम नहीं लौटा सकता। कानून अधिकारों का संरक्षण कर सकता है, लेकिन आत्मीयता का निर्माण नहीं कर सकता। इसलिए पारिवारिक समस्याओं का स्थायी समाधान न्यायालयों में नहीं, परिवारों के भीतर ही खोजा जाना चाहिए।भारत आज विश्वगुरु बनने का स्वप्न देख रहा है। आर्थिक प्रगति, वैज्ञानिक उपलब्धियां, डिजिटल नवाचार और वैश्विक नेतृत्व निश्चित रूप से गर्व के विषय हैं। लेकिन यदि हमारी सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति 'संयुक्त परिवार' कमजोर हो जाएगी, तो यह प्रगति अधूरी रह जाएगी। विश्व भारत से केवल आर्थिक शक्ति की अपेक्षा नहीं करता, बल्कि उन जीवन–मूल्यों की भी अपेक्षा करता है जिन्होंने हजारों वर्षों तक इस सभ्यता को जीवित रखा है। विश्वगुरु वही बन सकता है जो अपने परिवारों को भी मजबूत रख सके। जिस समाज में माता–पिता उपेक्षित हों, बुजुर्ग अकेले हों, बच्चे भावनात्मक रूप से असुरक्षित हों और पति–पत्नी विश्वास के संकट से जूझ रहे हों, वह केवल आर्थिक महाशक्ति बन सकता है, सांस्कृतिक महाशक्ति नहीं।समय आ गया है कि परिवारों में पुनः संवाद की संस्कृति विकसित की जाए। सप्ताह में कुछ समय ऐसा हो जब पूरा परिवार बिना मोबाइल के साथ बैठे। बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, अच्छे संस्कार भी मिलें। विद्यालयों में जीवन–मूल्य और भावनात्मक शिक्षा को महत्व दिया जाए। विवाह–पूर्व परामर्श, पारिवारिक परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को सामाजिक आंदोलन का रूप दिया जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि परिवार में बुजुर्गों की भूमिका को पुनः सम्मानपूर्वक स्थापित किया जाए, क्योंकि वे केवल अतीत के प्रतीक नहीं, बल्कि भविष्य के मार्गदर्शक हैं। सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी किसी न्यायिक टिप्पणी भर नहीं, बल्कि समाज के लिए चेतावनी का शंखनाद है। यदि हमने अभी भी अपने परिवारों को बचाने का प्रयास नहीं किया तो आने वाले वर्षों में केवल अदालतों में मुकदमे नहीं बढ़ेंगे, बल्कि समाज की संवेदनाएं भी समाप्त होती जाएंगी।

भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र है– 'वसुधैव कुटुम्बकम्।' लेकिन जो समाज अपने ही परिवार को नहीं बचा पाएगा, वह पूरी दुनिया को परिवार कैसे मान सकेगा? आज आवश्यकता नई इमारतें बनाने की नहीं, बल्कि बिखरते घरों को जोड़ने की है। नई तकनीक विकसित करने की नहीं, बल्कि टूटते संवादों को पुनर्जीवित करने की है। नई पीढ़ी को केवल सफल बनाने की नहीं, बल्कि संवेदनशील बनाने की है।

सम्पादकीय

रोजगार निजी अनुबंध पर टिका

कोई नाविक किसी खास रूट (जैसे होरमुज) से गुजरने से मना करता है, तो कंपनी उसका अनुबंध रद्द कर सकती है या श्ब्लैकलिस्टय् कर सकती है। इससे उसका भविष्य दांव पर लग सकता है। भारत सरकार ने पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों के हमलों का शिकार बनने के बाद भारतीय नाविकों की सुरक्षा के लिए श्सीफेयरर–फर्स्ट आपातकालीन सुरक्षा योजनाय् लागू की है। शिपिंग कंपनियों और भर्ती एजेंसियों को अगले निर्देश तक होरमुज मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर भारतीय नाविकों को तैनात ना करने के निर्देश दिए गए हैं। मगर क्या इससे भारतीय नाविक सचमुच सुरक्षित हो जाएंगे? ये सवाल इसलिए अहम है, क्योंकि कागजी सरकारी आदेश और समुद्र की कड़वी हकीकत में कोई मेल नजर नहीं आता। इसलिए अंदेशा गहरा है कि इस सरकारी पहल को लागू करना मुश्किल साबित होगा। नाविक शिपिंग कंपनियों (या उनकी नौकरी भर्ती एजेंसियों) के कर्मचारी होते हैं, भारत सरकार के नहीं। उनका रोजगार निजी अनुबंध पर टिका होता है। नाविक किसी विदेशी या भारतीय शिपिंग कंपनी या किसी थर्ड–पार्टी मैनिंग एजेंसी के साथ छह से नौ महीने का कांट्रैक्ट साइन करते हैं। इसके तहत कोई नाविक किसी खास रूट (जैसे होरमुज) से गुजरने से मना करता है, तो कंपनी उसका अनुबंध रद्द कर सकती है या श्ब्लैकलिस्टय् कर सकती है। इससे उसका भविष्य दांव पर लग सकता है। नौवहन बाजार में भी काम पाने भारी होड़ है। यही कारण है कि नाविक अक्सर जोखिम लेकर भी कहीं जाने को तैयार हो जाते हैं। दुनिया में तमाम नाविकों के बीच भारतीयों की संख्या लगभग 17 प्रतिशत है। जबकि अधिकांश जहाज पनामा, लाइबेरिया, या मार्शल आइलैंड्स जैसे देशों के झंडे तले रजिस्टर्ड हैं, भले उनके मालिक किसी देश के हों।ऐसे में भारतीय नाविकों पर उस देश का कानून लागू होता है, जिसके नाम पर जहाज पंजीकृत है। भारत सीधे किसी विदेशी जहाज के रूट को लेकर दखल नहीं दे सकता। तो फिर सरकार इस फैसले को लागू कैसे करवाएगी? अधिक से अधिक वह रिक्रूटमेंट और प्लेसमेंट एजेंसियों एजेंसियों पर दबाव डाल सकती है कि वे नाविकों को जबरन खतरे वाले क्षेत्रों में ना भेजें। नाविकों को श्राइट टू रिफ्यूजय् के तहत युद्ध क्षेत्र में जाने से इनकार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। लेकिन वे ऐसा करियर को दांव पर लगाते हुए ही कर पाएंगे। यही इस मामले का पेच है।

पूरी लीला ही पैसे से आयोजित-प्रायोजित

हां, हिंदू राष्ट्र को सोनम वांगचुक या जीडी अग्रवाल जैसे श्कॉकरोचोंय से नहीं, बल्कि अडानी, अंबानी, चढ़ावा चोरों और ट्रंप जैसे लोगों से मतलब है। इन्हीं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चिंता है, क्योंकि पूरी लीला ही पैसे से आयोजित–प्रायोजित है। आखिर कलियुग में भगवान तप से नहीं, मार्केटिंग से पैदा होते हैं और आस्था के नाम पर भीड़ को ठगना परमोधर्म है।

पिछले बारह वर्षों में क्या हुआ है? चाहे श्श्वेत (काली की जगह) अर्थव्यवस्थाय् का समय हो, श्गंगा शववाहिनीय् का दौर, श्अमृतकालय् का आख्यान या श्विकसित भारतय् के नारे– हर चरण में सबसे बड़ा निवेश मार्केटिंग पर हुआ। मार्केटिंग ने ही वह वातावरण, वह लेन–देन बनाया, जिसमें अडानी–अंबानी नए जगतसेठ बनकर उभरे। दूसरी और डोनाल्ड ट्रंप से लेकर शी जिनफिंग, पुतिन सभी के लिए भारत विशाल बाजार बना। पैसे की भूख, पैसे के जलवे, पैसे की माया का सीधा असर भक्तों पर भी पड़ा। इनके मन में यह विश्वास बैठाया गया कि भारत अभूतपूर्व गति से दौड़ रहा है, दुनिया भारत की ताकत स्वीकार कर रही है, मुक्त व्यापार समझौते हो रहे हैं और विश्व भारत के सामने नतमस्तक है। सच्चाई है कि जब अडानी दुनिया के बड़े खरबपतियों में शामिल हुए तो भक्तों ने इसे भी हिंदुओं की आन–बान–शान माना। बाद में जब इस चमक की परतें उखड़ीं, तब भी शेयर बाजार के खेल ने करोड़ों मध्यवर्गीय युवाओं को अपनी किस्मत आजमाने के सपने में बांधे रखा। इससे किसका कितना नुकसान हुआ, यह अलग प्रश्न है। लेकिन लाभार्थियों के खातों में सरकारी धन पहुंचाने से लेकर शेयर बाजार में करोड़ों युवाओं की सट्टेबाजी तक, एक ऐसा सम्मोहन रचा गया जिसमें भक्ति पुख्ता होती गई। मंदिरों में चढ़ावा बढ़ता है वही उसी चढ़ावे से हिंदू राष्ट्र की दुकानों में भी चौतरफा रौनक है।
सचमुच कलियुगी हिंदू राष्ट्र की स्थिरता की कई वजहों में एक कारण मंदिर, चढ़ावा, कृपा, पैसा, क्रोनीवाद और मार्केटिंग का वह मायाजाल है, जिसकी गहराई तभी समझ में आएगी जब लुटियंस दिल्ली के नए श्सेवा तीर्थय् की परतों को कोई उधेड़े। लुटियन का नया इकोसिस्टम केवल जवाबदेही–विहीन नहीं है, बल्कि संस्थागत लूट की वह ऐतिहासिक व्यवस्था है कि यदि दिल्ली को लूटने वाले नादिरशाह या मुगल बादशाह भी उसे देखें तो शर्मिंदा हो जाएं। उन्होंने दिल्ली को लूट का मात्र चरागाह माना था, जबकि अब वह लूट का तीर्थ है। लेकिन मजाल जो कोई गंभीर सवाल उठे या दास्तान बाहर आए।उस नाते राम मंदिर से जुड़े विवाद या चंपत राय एंड पार्टी के प्रसंग बहुत छोटे हैं।

संदर्भ धर्मेंद्र प्रधान का त्यागपत्र- छात्रों से संवाद की ओर बढ़ते कदम

इंटरनेट पर यहाँ–वहाँ बिखरे पड़े इस आंदोलन के सैकड़ों वीडियो देखिए, फिर सोचिए। फिर अपने आसपास के छात्रों को अवश्य देखिए। अपने नगर के सैकड़ों छोटे–बड़े सभी कालेज के विद्यार्थियों का बारीकी से चुपचाप परीक्षण और अध्ययन कीजिए। इसके बाद सोचिए और बताइये कि इस वीडियो में जो हैं, क्या वे विद्यार्थी हैं?देश के प्रधानमत्री ने देश की अंदरूनी शान्ति के लिए या आगे किसी बड़े लक्ष्य को साधने के लिए ऐसी फॉरेन फंडेड, फॉरेन लेंग्वेज्ड, फॉरेन फीडेड, फॉरेन माइंडेड और निर्लज्ज शक्तियों के आगे समर्पण कर दिया है। स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए और समय की संवेदनशीलता को दृष्टिगत रखते हुए उनका यह कदम बड़प्पन से परिपूर्ण कदम तो है किंतु, दीर्घकालिक दृष्टि से है तो यह गलत ही। इसके परिणामों के प्रति देश को अभी से सचेत होना होगा। छात्रशक्ति की बात रही तो सर संघचालक जी मोहन भागवत जी ने स्पष्ट परामर्श (स्वयंसेवक के लिए निर्देश) दिया है कि हमें बच्चों से संवाद बढ़ाना ही होगा। देश किशोरों, युवाओं, विद्यार्थियों से संवाद की यह प्रक्रिया अब बढ़ेगी भी और निश्चित ही सकारात्मक परिणाम भी देगी। नरेंद्र मोदी जी द्वारा कृषि कानून वापिस लेते समय मैंने एक आलेख में लिखा था जनमत के दबाव में देश के राजा द्वारा अपने निर्णय बदलना राजा के जीवंत, विवेक, मर्म व उत्तरदायित्व भाव का प्रमाण है। प्रधानमंत्री जी लोकभीरु (जनता से डरने वाले) हैं तो यह शुभ–लक्षण है। आद. प्रधानमंत्री जी ने धर्मेंद्र जी प्रधान से त्यागपत्र लेकर किसी शेर की भांति एक कदम पीछे लिया है तो किसी दीर्घकालिक एजेंडे की रक्षा और पूर्ति के लिए ही किया होगा। निश्चित ही उन्होंने संघशक्ति की प्रेरणा से यह कदम राष्ट्रहित में ही उठाया होगा। इंटरनेट पर यहाँ–वहाँ बिखरे पड़े इस आंदोलन के सैकड़ों वीडियो देखिए, फिर सोचिए। फिर अपने आसपास के छात्रों को अवश्य देखिए। अपने नगर के सैकड़ों छोटे–बड़े सभी कालेज के विद्यार्थियों का बारीकी से चुपचाप परीक्षण और अध्ययन कीजिए। इसके बाद सोचिए और बताइये कि इस वीडियो में जो हैं, क्या वे विद्यार्थी हैं? और यदि हैं भी तो क्या ऐसे विद्यार्थियों के दबाव में देश की सत्ता को आना चाहिए? मोदी जी हों या कोई किसी अन्य दल के कोई और प्रधानमंत्री हों, उसके विषय में ऐसी भाषा बोलकर जनता को भड़काना क्या उचित है? विशेषतः इन कथित छात्राओं को देखकर बताएँ आप। ये भी कहता हूँ कि, हैं तो ये हमारी देशज संतान ही, किंतु हमारे बच्चों को किसने इतना भड़काया और बहकाया है? कौन है जो हमारी इस मासूम छात्रशक्ति की लज्जा–लिहाज पर डाका डाल गया है? इनके सारे संस्कार अपहृत हो गए और हमें पता भी न चला। जॉर्ज सोरोस की सोच से बढ़ा ये आंदोलन है या अश्लीलता और देश विभाजन के दुष्कृत्य का नंगा नाच है? नरेंद्र मोदी जी का ये सरेंडर, आरएसएस और इसके प्रचारक मोदी के लिए कुछ भी चिंताजनक नहीं है। ये महाशय मोदी और ये संघ, अपना झोला उठाकर कहीं भी, कभी भी चल पड़ेंगे। सोचना तो हमें है कि हम और कोई और ऐसा प्रधानमंत्री और ऐसी संघशक्ति कहाँ से लायेंगे जो हमें बारह वर्षों तक तमाम दुर्लक्ष्यों जैसे अद्वितीय आर्थिक विकास, गगन–पाताल को भेदने वाला इन्फ्रास्ट्रक्चर, मंगल मिशन, चंद्रमा मिशन, राममंदिर, अनुच्छेद 370, कश्मीर में शांति, असम–बंगाल के रास्ते बांग्लादेशी घुसपैठियों पर रोक, विदेशों में हमारा बड़ा सा बार्गेनिंग पॉवर, पाकिस्तान में भीतर तक घुसकर एयर स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर आदि को साधकर भी दंगामुक्त शासन दे पायेगी? संघ परिवार के अतिरिक्त कोई भी पार्टी इनमें से एक भी काम करती तो देश भर में दंगे होते। खून की नदियाँ बहती। ऐतिहासिक मार–काट होती। कदाचित् (शायद) गृहयुद्ध भी हो जाता। शाहीन बाग से लेकर ये जंतर–मंतर तक, ये सब भारत में गृहयुद्ध भड़काने की तैयारी ही तो है। याद है न? इन्हीं लोगो के शब्द हैं – "धारा 370 को छू कर देख लो, खून की नदियाँ बह जाएँगी" और ये पाकिस्तानी भाषा भी याद होगी आपको – "पंद्रह मिनिट के लिए देश की फौज और पुलिस को रोक लेना हम इस देश में तखघ्ता पलट देंगे" और यह भी कि "मंदिर.. तारीख नहीं बताएँगे"।

छात्रों और युवाओं को भरोसा बना

एस. सुनील

प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षा और परीक्षा की प्रक्रिया में सुधार की जो पहल की है उस पर छात्रों की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया के बाहर सार्वजनिक रूप से भी दिखने लगी है। उन्होंने जो नियम बनाने और विधायी कदम उठाने की पहल की है और युवाओं से सीधी अपील की है उसका असर यह हुआ है कि आंदोलन की नैतिक ताकत बने सोनम वांगचुक ने भूख हड़ताल समाप्त कर दी और इसके साथ ही आंदोलन की तीव्रता काफी कम हो गई। इसकी व्यापकता भी धीरे धीरे कम हो रही है।

पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन की जिन तस्वीरों के हवाले से दावा किया जा रहा है कि देश का युवा खास कर श्जेन जीय् केंद्र की सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हो गया है वह देश की प्रतिनिधि तस्वीर नहीं है। इसे ऐसे भी कह सकते हैं कि उन तस्वीरों से देश की वास्तविकता नहीं जाहिर हो रही है। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि पेपर लीक की घटना, जैसा कि प्रधानमंत्री ने स्वंय कहा, श्जघन्य पापय् है। लेकिन आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और इसमें शामिल लोगों को कड़ी से कड़ी सजा मिले इसके लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता पर भी किसी को संदेह नहीं है। देश का युवा वर्ग और छात्रों का भी प्रधानमंत्री के साथ ऐसा सीधा जुड़ाव या संवाद है कि वे इस मामले में प्रधानमंत्री की गंभीरता को समझ रहे हैं। तभी गुरुवार, 23 जुलाई की रात को प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सीधे युवाओं को श्फ्रेंड्सय् कह कर संबोधित किया। अपने मोबाइल से वीडियो बना कर उन्होंने पोस्ट किया और अगले दिन यानी शुक्रवार की रात को बताया कि उस पर कितनी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। गुरुवार रात के प्रधानमंत्री के इंस्टाग्राम वीडियो ने रिकॉर्ड बनाया। करीब 35 करोड़ लोगों ने उसे देखा और पेपर लीक से लेकर परीक्षा में सुधार के अनेक सकारात्मक सुझाव दिए, जिनका जिक्र प्रधानमंत्री ने अपने अगले वीडियो में किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षा और परीक्षा की प्रक्रिया में सुधार की जो पहल की है उस पर छात्रों की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया के बाहर सार्वजनिक रूप से भी दिखने लगी है। उन्होंने जो नियम बनाने और विधायी कदम उठाने की पहल की है और युवाओं से सीधी अपील की है उसका असर यह हुआ है कि आंदोलन की नैतिक ताकत बने सोनम वांगचुक ने भूख हड़ताल समाप्त कर दी और इसके साथ ही आंदोलन की तीव्रता काफी कम हो गई। इसकी व्यापकता भी धीरे धीरे कम हो रही है। इसका कारण यह है कि देश के युवाओं को अपने प्रधानमंत्री और उनके संकल्पों पर भरोसा है। उनको विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। इसके रास्ते में जो भी बाधाएं आएंगी उनको दूर किया जाएगा।
बहरहाल, पेपर लीक को लेकर भी प्रधानमंत्री की पहल पर एक साथ कई काम शुरू हो गए हैं। शुक्रवार को कैबिनेट की विशेष बैठक संसद भवन के अंदर हुई, जिसमें द पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रीवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। अब सरकार पेपर लीक और परीक्षा में अक्सर होने वाली दूसरी गड़बड़ियों को रोकने के लिए ज्यादा सख्त कानून बनाने जा रही है। इसे मानसून सत्र के दूसरे हफ्ते के शुरू में ही पेश किया जा सकता है। प्रधानमंत्री चाहते हैं कि इस पर जल्दी से जल्दी चर्चा करा कर कानून बनाया जाए। इसमें पेपर लीक के दोषियों के लिए 10 साल की सजा और 10 करोड़ रुपए के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। साथ ही यह भी प्रावधान किया गया है कि पेपर लीक की घटना की जांच दो महीने में होगी और तीन महीने के अंदर अदालत में ट्रायल पूरा करके फैसला सुनाया जाएगा। इस संशोधन बिल को मंजूरी देने से पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने पेपर लीक से जुड़ी घटनाओं की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन का आदेश दे दिया था। इस बिल में इस पूरी प्रक्रिया को वैधानिक स्वरूप देने का प्रावधान भी किया गया है।
इस मामले में सरकार की गंभीरता इस बात से दिखाई देती है कि मेडिकल में दाखिले के लिए नीट यूजी परीक्षा कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए के 47 कर्मचारियों को बरखास्त कर दिया गया है। सरकार एनटीए का भी पुनर्गठन करने वाली है ताकि परीक्षा की प्रक्रिया को किसी भी तरह की लीक और गड़बड़ी से सुरक्षित किया जा सके। चूंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वंय इस पूरे मामले की निगरानी कर रहे हैं इसलिए युवाओं को और उनके अभिभावकों को भी भरोसा बना है। उनको लग रहा है कि सरकार परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। ध्यान रहे पहले ही इस बात की घोषणा हो चुकी है कि अगले साल नीट यूजी की परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी। इससे भी छात्रों और युवाओं को भरोसा बना है।दूसरी ओर अगर विपक्षी पार्टियों का रवैया देखें तो वह बहुत निराशाजनक दिखेगा। उनकी तरफ से किसी तरह का रचनात्मक सुझाव सरकार के सामने नहीं प्रस्तुत किया जा रहा है। उनकी ओर से सिर्फ शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है। जिस समय जंतर मंतर पर प्रदर्शन शुरू हुआ उस समय लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष विदेश में थे। वहां से लौटने के बाद उन्होंने इंतजार किया कि संसद का सत्र शुरू हो और मीडिया का अटेंशन बने तो वे आंदोलन शुरू करें। छात्रों व युवाओं के संसद मार्च से जो माहौल बना उसका लाभ लेने के लिए वे अपनी पार्टी के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री आवास पर प्रदर्शन करने पहुंच गए। असल में उनको यह असुरक्षा बोध घेरे हुए था कि कहीं जंतर मंतर के प्रदर्शन को ज्यादा लोगों का समर्थन न मिल जाए या उसमें शामिल लोग विपक्ष की जगह न ले लें। इसलिए उन्होंने आनन फानन में प्रदर्शन किया और संसद की कार्यवाही पूरी तरह से ठप्प की।
सवाल है कि क्या देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के पास पेपर लीक की घटना का विरोध करने का नैतिक आधार है? अकेले राजस्थान में 2018 से 2023 के कांग्रेस राज में 19 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए और कांग्रेस की सरकार ने किसी की भी जवाबदेही तय नहीं की। कांग्रेस शासित दूसरे राज्यों में भी अनेक परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। उसे रोकने या उसमें शामिल लोगों को सजा दिलाने में विफल रही कांग्रेस नीट यूजी के पेपर लीक के हवाले केंद्र सरकार पर हमलावर हो रही है। वास्तविकता यह है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का ट्रैक रिकॉर्ड इस मामले में कांग्रेस की केंद्र और राज्यों की सरकारों के मुकाबले बहुत बेहतर है। कांग्रेस को ध्यान रखना चाहिए कि 2014 में एनडीए की सरकार बनने से पहले के सात साल में यूपीए के शासन में 71 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए थे। असल में मौजूदा सरकार पिछली सरकार से जो गड़बड़ियां विरासत में मिली हैं उसे ठीक करने का काम कर रही है। इस काम में सरकार का सहयोग करने की बजाय विपक्ष इसमें अड़ंगा लगा रहा है।विपक्ष के साथ एक संकट यह भी है कि उसकी पार्टियों में आपस में ही तालमेल नहीं है। हर पार्टी अपने हिसाब से राजनीति करने में लगी है। आम आदमी पार्टी को चूंकि अगले साल के चुनाव में पंजाब और गोवा में कांग्रेस के खिलाफ लड़ना है इसलिए वह कांग्रेस की पोल खोल रही है। दूसरी विपक्षी पार्टियां चाहे वह समाजवादी पार्टी हो या शरद पवार की एनसीपी हो या उद्धव ठाकरे की शिव सेना, इनका सारा समय संतुलन बनाने में जा रहा है।

आज का राशिफल

मेष राशि
आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे।
वृष राशि
आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़े बुजुर्गों से प्रेरणा मिलेगी कुछ बड़ा करने का प्लान बनाएंगे।
मिथुन राशि
आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आने वाला है। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा जो की आने वाले समय में आपके लिए लाभकारी रहेगा।
कर्क राशि
आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। कारोबारियों के लिए आज का दिन शुभ रहेगा।
सिंह राशि
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा।
कन्या राशि
आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज घर की व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुछ कठोर फैसले लेने पड़ सकते हैं, लेकिन इसका परिणाम सुखद रहेगा।
तुला राशि
आज का दिन मिली–जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप सामाजिक कार्यों में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेंगे।
वृश्चिक राशि
आज आपको शुभ समाचार मिलने वाला है। आज पिता जी आपको पैतृक व्यवसाय की कुछ महत्वपूर्ण जानकारी देंगे और आपको नई जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।
धनु राशि–
आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज के दिन आपको कुछ नई उपलब्धियां हासिल होने वाली हैं।
मकर राशि
आज का दिन आपके जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज दिनभर भागदौड़ की स्थिति रहेगी,
कुंभ राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज कुछ प्रतिष्ठित लोगों से आपकी मुलाकात होगी जिससे आपका मान–सम्मान बढ़ेगा।
मीन राशि–
आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। आज आपको किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घरेलू कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे।

विजडम इण्डिया R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 29 जुलाई 2026
sheelshukla100@gmail.com

राष्ट्रीय एकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को मिलेगा गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार

आजमगढ़ (आर एन एस) जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि शासन द्वारा गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार योजना के स्वरूप एवं कार्यकारी सिद्धान्तों के अनुसार जनपद से पात्र व्यक्तियों के नामांकन शासन को प्रेषित किए जाने के निर्देश दिये गए है।उन्होंने बताया कि उक्त पुरस्कार के लिए वही व्यक्ति पात्र होगा, जो भारत का मूल नागरिक हो, पुरस्कार पर विचार किए जाने वाले वर्ष में सामान्यतः उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा के भीतर निवासरत रहा हो, मानवाधिकारों की रक्षा, सामाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय योगदान दिया हो तथा जिसे पूर्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदान न किया गया हो।जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनपद में ऐसे पात्र एवं समर्पित व्यक्तियों की पहचान सुनिश्चित करते हुए उनके आवेदनध्नामांकन निर्धारित प्रारूप पर प्राप्त कराए जाएं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा श्री गुरु गोविन्द सिंह के जन्मदिवस के अवसर पर मानवाधिकारों की रक्षा, सामाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को श्गुरु गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कारश् से सम्मानित किया जाता है। पुरस्कार के अंतर्गत 1,00,000 (एक लाख रुपये) की नगद धनराशि एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान किया जाता है।जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि पुरस्कार के निर्धारित मानकों को पूर्ण करने वाले पात्र व्यक्तियों के प्रस्ताव, उनके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों का तथ्यात्मक विवरण, अभिलेखीय साक्ष्य, स्पष्ट आख्या एवं संस्तुति सहित निर्धारित प्रारूप में चार प्रतियों में तैयार कर 30 सितम्बर, 2026 तक प्रत्येक दशा में शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार करते हुए पात्र व्यक्तियों के आवेदन पत्र नामांकन निर्धारित प्रारूप में प्राप्त किए जाएं, ताकि अधिकाधिक योग्य एवं पात्र व्यक्तियों के प्रस्ताव समय से शासन को प्रेषित किए जा सकें।जिलाधिकारी ने कहा कि जिन व्यक्तियों के प्रस्ताव शासन को भेजे जाएंगे, उनके संबंध में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की संयुक्त आख्या संलग्न की जाएगी।

नौकरी दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह के 03 आरोपी गिरफ्तार, अब तक कुल 12 लोग हो चुके गिरफ्तार

आजमगढ़(आर एन एस)वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ डॉ0 अनिल कुमार के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री चिराग जैन, एवं क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल नेतृत्व में दिनांक 26ध27.07.2026 की रात्रि में व0उ0नि0 सुशील कुमार मय हमराह क्षेत्र में भ्रमणशील थे। अभियुक्त लालू उर्फ राकेश कुमार की मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम कोटिला कट के पास आजमगढ़–वाराणसी मुख्य मार्ग पर पहुंची, जहां एक ब्रेजा कार के पास तीन संदिग्ध व्यक्ति आपस में बातचीत करते मिले।पूछताछ की गई तो उन्होंने अपने नाम क्रमशः लालू उर्फ राकेश कुमार पुत्र विमलेश कुमार महतो निवासी सेलीबेली थाना बासोपट्टी जनपद मधुबनी बिहार, दिनेश कुमार गुप्ता पुत्र स्व. रघुनाथ गुप्ता निवासी ग्राम डेहरी पोस्ट कोटवारी थाना रसड़ा जनपद बलिया तथा धर्मेन्द्र गुप्ता पुत्र रमाकान्त गुप्ता निवासी ग्राम मन्दा थाना रसड़ा जनपद बलिया बताए। तीनों को समय 23रू55 बजे गिरफ्तार किया गया।जिसके संबंध में दिनांक 20.05.2026 को वादी मुकदमा पंकज यादव पुत्र लाल बहादुर यादव निवासी ग्राम अंधौरी, पोस्ट चढ़ई, थाना रानी की सराय, जनपद आजमगढ़ द्वारा दी गई लिखित तहरीर के आधार पर थाना रानी की सराय पर मु0अ0सं0 123ध2026 धारा 3(5), 319(2), 318(4), 336(4), 340(2), 61(2), 351(3), 352 एवं 338 बीएनएस पंजीकृत किया गया था। जिसमें विवेचना के दौरान अभियुक्त लालू उर्फ राकेश कुमार, दिनेश कुमार गुप्ता एवं धर्मेन्द्र गुप्ता के नाम प्रकाश में आए।सभी अभियुक्त स्वयं को नौकरी दिलाने वाले एजेंटध्मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत कर बेरोजगार युवाओं को सरकारी एवं निजी संस्थानों में नौकरी दिलाने का झांसा देते थे। विश्वास अर्जित करने के बाद अभ्यर्थियों से धनराशि प्राप्त कर उनके नाम पर फर्जी पुलिस वेरिफिकेशन रिपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, जन्म प्रमाणपत्र, सरकारी कार्यालयों के फर्जी प्रोफार्मा एवं अन्य कूटरचित दस्तावेज तैयार करते थे। इन दस्तावेजों के आधार पर नौकरी दिलाने का विश्वास दिलाकर आर्थिक लाभ प्राप्त करते थे। तलाशी के दौरान अभियुक्तों के कब्जे से फर्जी दस्तावेज तैयार करने में प्रयुक्त मोहरें, इंकपैड, मोबाइल फोन, पुलिस वेरिफिकेशन प्रपत्र, सरकारी प्रोफार्मा, विभिन्न दस्तावेजों की प्रतियां तथा अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई, जिससे उनके द्वारा सुनियोजित ढंग से ठगी का नेटवर्क संचालित किया जाना परिलक्षित होता है।

लछिया गांव में बहुजन भारत का प्रबुद्ध जन सम्मेलन आयोजित, संविधान और सामाजिक न्याय पर हुआ मंथन

आजमगढ़(आर एन एस)सामाजिक संस्था बहुजन भारत के तत्वावधान में रविवार को सगड़ी विधानसभा क्षेत्र के अजमतगढ़ ब्लॉक के लछिया गांव में प्रबुद्ध जन सम्मेलन एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व प्रमुख सचिव (गृह) कुंवर फतेह बहादुर ने अपने संबोधन में कहा कि भारत का संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि संविधान ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े वर्गों एवं अल्पसंख्यकों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐतिहासिक और दूरदर्शी व्यवस्था प्रदान की है। उन्होंने अपने वक्तव्य में संविधान विरोधी ताकतों से सावधान रहने की अपील करते हुए कहा कि कुछ शक्तियां समाज को आपस में लड़ाकर अपना स्वार्थ सिद्ध करती हैं। ऐसे लोगों से सतर्क रहने और संविधान की मूल भावना के अनुरूप सामाजिक सद्भाव, समानता तथा भाईचारा बनाए रखने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में संविधान की प्रस्तावना, सामाजिक न्याय, लोकतांत्रिक मूल्यों और बहुजन समाज के उत्थान जैसे विषयों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया।

दुकान से चोरी किए गए रुपए का 24 घटे के अंदर बरामद कर एक को किया गिरफ्तार

श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी' द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में,'अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह एवं क्षेत्राधिकारी इकौना आलोक कुमार सिंह' के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक थाना इकौना परमानंद तिवारी के नेतृत्व में थाना इकौना पुलिस टीम, एस0ओ0जी0, व सर्विलांस टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई। थाना इकौना पर पंजीकृत 'मु0अ0सं0 1432026' धारा 305(ए) से संबंधित अभियुक्त 'खालिद मोहम्मद पुत्र औलाद पेंटर निवासी लक्ष्मण नगर थाना सोनवा जनपद श्रावस्ती' को थाना इकौना क्षेत्र अंतर्गत दुकान के काउंटर से चोरी किए गए रुपए 70,000 व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के साथ अभियुक्त को गोविन्दपुर मोड़ थाना क्षेत्र इकौना से गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की गई।वादी दिलीप जायसवाल पुत्र महादेव प्रसाद जायसवाल, हाल पता भामेपारा, इटवारिया, थाना इकौना, जनपद श्रावस्ती, स्थायी पतादृपयागपुर बस स्टॉप, इकौना रोड, थाना पयागपुर, जनपद बहराइच की दुकान भामेपारा इटवरिया इकौना भिनगा मार्ग पर स्थित है,अज्ञात व्यक्ति दिनांक 25.07.2026 समय लगभग 16:00 बजे वादी की दुकान पर चावल खरीदने के बहाने आया तथा बातचीत मे उलझाए रखा इसी दौरान वादी अपने नौकर के साथ दुकान से लगे गोदाम मे चावल लेने चला गया, उसी समय अज्ञात व्यक्ति द्वारा समय का लाभ उठाते हुए दुकान के काउंटर में रखे ध1,35,000/– (एक लाख पैंतीस हजार रुपये) को काउंटर से निकाल लिया तथा मौके से अपने मोटर साइकिल से फरार हो गया। जिसके सम्बध में 'थाना इकौना पर मु0अ0सं0 143ध2026, धारा 305(ए) बीएनएस' बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन मे थाना स्थानीय पर गठित टीम व एसओजी टीम द्वारा पुनः वादी मुकदमा से पूछताछ किया गया तो वादी मुकदमा ने बताया कि हमारी दुकान से 89,000 रुपया अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया था मैने जल्दबाजी में अपने रजिस्टर को नही देख पाया जिसमे मैं हिसाब लिखता हूं। जब मैने अपने रजिस्टर को देखा तो मेरे दुकान से सिर्फ 89,000 रुपया चोरी हुआ है। जल्दबाजी में मेरे द्वारा 1,35,000 चोरी होने का बता कर मुकदमा लिखवाया था। जब रजिस्टर का मिलान किया गया तो मेरे दुकान से 89,000 रुपया चोरी हुआ है। थाना स्थानीय पर गठित टीम व एसओजी की टीम के अथक प्रयास व सीसीटीबी फुटेज के सहयोग से मुकदमा उपरोक्त का सफल अनावरण करते हुए 'अभियुक्त खालिक मोहम्मद पुत्र औलाद पेन्टर निवासी लक्ष्मननगर थाना सोनवा जनपद श्रावस्ती' को गिरफ्तार किया गया तथा चोरी किये गये रुपये में से 70,000 रुपये तथा चोरी में प्रयुक्त मोटर साइकिल बरामद किया।

पुलिया के नीचे पानी में मिला व्यक्तिका शव

श्रावस्ती। थाना कोतवाली भिनगा कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत सेमरी चौराहे के पास पुलिया के नीचे पानी में एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। राहगीरों की सूचना पर स्थानीय लोगों ने शव को पानी से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।मिली जानकारी के अनुसार थाना भिनगा के मोहल्ला बारी निवासी करीब 38 वर्षीय रवि पुत्र बाबू उम्र 38 वर्ष के रूप में हुई है। परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार, रवि रविवार को ऑटो से इकौना की ओर गया था।लौटते समय वह किन परिस्थितियों में पुलिया के नीचे पानी में पहुंचा, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने के लिए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें- कुल सचिव

आजमगढ़ (आर एन एस)जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में हरिऔध कला केन्द्र, आजमगढ़ में अन्य दशमोत्तर शिक्षण संस्थानों के छात्रवृत्ति नोडल अधिकारियों एवं प्रधानाचार्यों की कार्यशाला दो पालियों में आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य वित्तीय वर्षध्शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं का समयबद्ध एवं पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना रहा।बैठक की अध्यक्षता कर रहे कुल सचिव, महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़ ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कोई भी पात्र छात्र–छात्रा छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने सभी प्राचार्यों एवं नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया कि छात्रवृत्ति आवेदन प्रक्रिया को पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ संपन्न कराएं तथा प्रत्येक पात्र विद्यार्थी तक योजना की जानकारी पहुंचाकर अधिकतम आवेदन सुनिश्चित करें।बैठक में अवगत कराया गया कि अन्य दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जातिध अनुसूचित जनजातिध्अन्य पिछड़ा वर्ग ध सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के पात्र छात्र–छात्राओं को शासन द्वारा निर्धारित समय सारिणी के अनुसार छात्रवृत्ति, शैक्षणिक भत्ता एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ प्रदान किया जाएगा।जिला समाज कल्याण अधिकारी वशिष्ठ नारायण सिंह द्वारा निर्देश दिये कि शासन द्वारा निर्गत समय सारिणी के अनुसार छात्रवृत्ति पोर्टल मास्टर डाटा में फीस ध कोर्स अन्य प्रक्रिया अनिवार्य रूप से पूर्ण कराए तथा पात्र छात्र–छात्राओं के आवेदन समयबद्ध रूप से भरवाकर उनका सत्यापन भी निर्धारित अवधि में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आवेदन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की त्रुटि या विलंब के लिए संबंधित संस्था एवं नोडल अधिकारी उत्तरदायी होंगे। सभी विद्यालयों से अपेक्षा की गयी कि छात्रवृत्ति योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाए, जिससे कोई भी पात्र विद्यार्थी जानकारी के अभाव में आवेदन से वंचित न रह जाए। साथ ही आवेदन पत्रों एवं अभिलेखों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करते हुए शत–प्रतिशत पात्र छात्रों को योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए।उक्त कार्यशाला में जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा पी0पी0टी0 प्रजेन्टेशन के माध्यम से छात्रवृत्ति के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गयी। कार्यशाला में कुल सचिव, महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय, आजमगढ़, प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, आजमगढ़, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, आजमगढ़ एंव महाविद्यालय के प्राचार्य एवं छात्रवृत्ति नोडल उपस्थित रहे।

वन स्टाप सेंटर में युवती की मृत्यु प्रकरण की मजिस्ट्रियल जांच, 10 अगस्त तक प्रस्तुत किए जा सकते हैं साक्ष्य एवं बयान

आजमगढ़ (आर एन एस)उप जिला मजिस्ट्रेट, सदर, आजमगढ़ अविनश कुमार गौतम ने अवगत कराया है कि दिनांक 07 जुलाई 2026 को प्रातः लगभग 5.49 बजे वन स्टॉप सेन्टर, आजमगढ़ में आवासित पीड़िता नैना पुत्री राजमन निवासी ग्राम फत्तेपुर थाना–दीदारगंज, आजमगढ़ द्वारा वन स्टॉप सेन्टर परिसर स्थित शौचालय में एक्जॉस्ट फैन से दुपट्टे के सहारे फॉसी लगाकर आत्म–हत्या कर ली गयी। पीड़िता को बाल कल्याण समिति आजमगढ़ के आदेश के अनुपालन में दिनांक–05 जुलाई 2026 को वन स्टॉप सेन्टर में अस्थायी रूप से आवासीत कराया गया था। निदेशक, महिला कल्याण उ0प्र0, लखनऊ द्वारा घटना अत्यन्त गंभीर एवं संवेदनशील प्रकृति की होने के दृष्टिगत प्रकरण की मजिस्ट्रीयल जॉच कराये जाने के अनुरोध के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट, आजमगढ़ के आदेश द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 की धारा–196 के अन्तर्गत उप जिला मजिस्ट्रेट–सदर को मजिस्ट्रेटध्जॉच अधिकारी नामित किया गया है, जिसके अनुपालन में उप जिला मजिस्ट्रेट–सदर द्वारा प्रकरण की जाँच की जा रही है।उक्त घटना के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कुछ कहनाध्कोई साक्ष्य प्रस्तुत करना है तो वह उप जिला मजिस्ट्रेट–सदर के न्यायालयध्कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में दिनांक–10 अगस्त 2026 की सायं 05रू00 बजे तक उपस्थित होकर अपना बयान दर्जध्साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं।

दो अलग-अलग विवादों में कुल 11 व्यक्तियों का जहानागंज पुलिस ने बीएनएसएस के तहत किया चालान

आजमगढ़(आर एन एस)डॉ0 अनिल कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, आजमगढ़ द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री मधुबन सिंह के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी सदर सुश्री आस्था जायसवाल के पर्यवेक्षण तथा थाना प्रभारी जहानागंज श्री अतुल कुमार मिश्रा के नेतृत्व में थाना जहानागंज पुलिस द्वारा दिनांक 27.07.2026 को ग्राम अतरारी में बकरी चराने के विवाद तथा ग्राम कोढ़वा अचलापार में पट्टीदारी विवाद के दौरान शांति भंग होने की आशंका पर कुल 11 व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत निवारक कार्रवाई करते हुए चालान कर माननीय एसडीएम सदर न्यायालय भेजा गया।ग्राम अतरारी में शान्ति पत्नी सुभाष राजभर, आकांक्षा राजभर पुत्री सामविजय राजभर, रानी राजभर पुत्री रामचन्द्र राजभर, कंचन राजभर पुत्री रामचन्द्र राजभर, सोनम राजभर पुत्री रामचन्द्र राजभर, सुभावती पत्नी रामचन्द्र राजभर, अंकित राजभर पुत्र हरिलाल, अमर राजभर पुत्र रामचन्द्र राजभर एवं रुपेश राजभर पुत्र दिलीप राजभर तथा ग्राम कोढ़वा अचलापार में रामप्रकाश यादव पुत्र अधार यादव एवं रीना यादव पत्नी रामप्रकाश यादव के विरुद्ध नियमानुसार चालानी कार्रवाई की गई।

पाक्सो एक्ट के वांछित आरोपी को हाफिजपुर चौराहे से पुलिस ने किया गिरफ्तार

आजमगढ़(आर एन एस)थाना कोतवाली, जनपद आजमगढ़ पर वादिनी द्वारा थाना कोतवाली पर प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया गया कि उनके गांव का निवासी सागर चौहान पुत्र जगनू चौहान उनकी पुत्री को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली पर मु0अ0सं0–272ध2026 धारा 137(2)/64(1)/87 बीएनएस एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ की गई।डॉ0 अनिल कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, आजमगढ़ द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा वांछित अभियुक्त की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में दिनांक 27.07.2026 को उ0नि0 उदय शंकर तिवारी मय हमराह का0 सुमित कुमार द्वारा अभियुक्त सागर चौहान पुत्र जगनू चौहान, निवासी ग्राम बलरामपुर, थाना कोतवाली, जनपद आजमगढ़, उम्र लगभग 19 वर्ष को हाफिजपुर चौराहे के पास से समय 10:55 बजे गिरफ्तार किया गया।अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

भैंस चराने गये युवक का दूसरे दिन मिला शव

श्रावस्ती। भैंस चराने के लिए घर से निकले व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में नहर में पाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मिली जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली भिनगा क्षेत्र अन्तर्गत किढ़वनिया गांव निवासी श्रवण कुमार उर्फ हरिशंकर (उम्र लगभग 32 वर्ष) भैंस चराने के लिए लिए बीते दिन घर से निकले थे , वापस न लौटने पर परिजनों ने आसपास उनकी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। आज सुबह उनका शव नहर में तैरता हुआ दिखाई देने पर परिजनों द्वारा थाना कोतवाली भिनगा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई के उपरांत पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। फॉरेंसिक टीम द्वारा मौके से आवश्यक साक्ष्य संकलित किए गए हैं।

झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे खिले

श्रावस्ती। करीब दो सप्ताह के लंबे इंतजार के बाद सोमवार सुबह झमाझम बारिश हुई। सुबह करीब 9 बजे मौसम ने अचानक करवट ली और तेज हवाओं के साथ जिले के कई इलाकों में बारिश शुरू हो गई। इस बारिश से जहां धान की सूखती फसलों को राहत मिली, वहीं भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों ने भी राहत की सांस ली।धान की रोपाई के बाद पिछले लगभग दो सप्ताह से पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण खेतों की नमी कम होती जा रही थी। इससे धान की फसलें सूखने लगी थीं।बड़े किसान डीजल पंपिंग सेट के सहारे सिंचाई कर रहे थे, जबकि छोटे और सीमांत किसान अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे थे। सोमवार की बारिश ने उनकी चिंता काफी हद तक दूर कर दी है।

दो भाइयों की लड़ाई में भाभी की मौत, मायके वालों ने हत्या का आरोप लगा किया हंगामा

मेरठ। खरखौदा थाना क्षेत्र में देर रात घर में सीसीटीवी कैमरे लगाने को लेकर हुए दो भाइयों के विवाद में एक भाई की पत्नी की मौत हो गई। मंगलवार को गांव में पहुंचे मृतका के मायके वालों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। जानकारी के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है।सेतुकुआं गांव के रहने वाले आजाद ने सोमवार को अपने मकान में सीसीटीवी कैमरा लगवाया था। कैमरे का रुख आजाद के बड़े भाई रमेश के मकान की तरफ कर दिया गया। जिसको लेकर देर रात दोनों भाइयों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते दोनों परिवार आपस में भिड़ गए। इसी बीच आजाद की पत्नी शीला बेहोश होकर जमीन पर गिर गई। जिसके चलते परिवार के लोगों में हड़कंप मच गया।

परिजनों ने गांव के एक चिकित्सक को मौके पर बुलाया। डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी के बाद मंगलवार की सुबह गांव में पहुंचे शीला के मायके वालों ने ससुराल वालों पर अपनी बेटी की हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। इसके बाद थाना प्रभारी समय पाल अत्री पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी ने बताया कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम के बाद ही महिला की मृत्यु का सही कारण पता लग सकेगा।

24 घंटे में पशु चोरी का खुलासा तहबरपुर पुलिस ने दो शातिर चोर दबोचे, चोरी का पशु व पिकअप बरामद

आजमगढ़(आर एन एस)जनपद के तहबरपुर थाना पुलिस ने प्रतिबंधित पशु चोरी की घटना का महज 24 घंटे के भीतर सफल खुलासा करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया एक प्रतिबंधित पशु, घटना में प्रयुक्त महिन्द्रा सुप्रो प्रॉफिट पिकअप वाहन, दो वीवो मोबाइल फोन तथा 700 नकद बरामद किए हैं। मामले का एक अन्य आरोपी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।पुलिस के अनुसार 26 जुलाई 2026 को ग्राम अहियाई निवासी रघुनाथ दुबे ने थाना तहबरपुर में तहरीर देकर बताया था कि उनके बाग से दिन में करीब 11 बजे अज्ञात चोर प्रतिबंधित पशु खोलकर ले गए। तहरीर के आधार पर थाना तहबरपुर में मु0अ0सं0–117ध2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी के निर्देशन तथा प्रभारी निरीक्षक तहबरपुर के नेतृत्व में उपनिरीक्षक लोकेश मणि त्रिपाठी व पुलिस टीम ने सोमवार को जानकीपुर पुलिया के पास वाहन चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने एक अन्य साथी आयुष सिंह के साथ मिलकर ग्राम अहियाई से प्रतिबंधित पशु चोरी किया था। पुलिस की सक्रियता बढ़ने के कारण वे पशु को अहिरौला क्षेत्र की मंडी में बेचने जा रहे थे। साथ ही रास्ते में अन्य प्रतिबंधित पशुओं की चोरी करने की भी योजना थी। पुलिस को देखकर उनका साथी आयुष सिंह मौके से फरार हो गया, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अमन यादव (20 वर्ष) निवासी ग्राम अल्लीपुर, थाना रानी की सराय तथा रामायन यादव (48 वर्ष) निवासी ग्राम हुसेपुर, थाना गंभीरपुर के रूप में हुई है।

दस घटे गुल रही दो दर्जन गांवों की बिजली

आजमगढ़(आर एन एस)पवई क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई। 33 केवी लाइन की आपूर्ति बाधित होने के कारण लगभग 24 गांवों की बिजली करीब 10 घंटे तक ठप रही। रात करीब 12रू30 बजे बिजली आपूर्ति बंद हुई, जो सुबह लगभग 11 बजे बहाल हो सकी।लंबे समय तक बिजली न रहने से लोगों को उमस भरी गर्मी में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। घरों में पंखे और कूलर बंद रहने से बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित रहे। ग्रामीणों के अनुसार रात भर लोग गर्मी के कारण सो नहीं सके और सुबह तक हालात परेशान करने वाले बने रहे।बताया जा रहा है कि 33 केवी आपूर्ति बाधित होने के चलते क्षेत्र के करीब दो दर्जन गांव अंधेरे में रहे। बिजली न होने से पेयजल आपूर्ति और दैनिक कार्य भी प्रभावित हुए।

ग्रामीणों ने विभाग से मांग की है कि बिजली आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए तथा बारिश और गर्मी के मौसम में होने वाली बार–बार की कटौती से राहत दिलाने के लिए स्थायी समाधान किया जाए। वहीं विद्युत उपकेंद्र पवई के उपखण्ड अधिकारी अवधेश सिंह यादव ने बताया कि 33 केवी विद्युत आपूर्ति लाइन में तकनीकी खराबी आने के कारण क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई थी। सूचना मिलते ही विभागीय टीम को मौके पर भेजकर मरम्मत कार्य कराया गया। खराबी दूर होने के बाद आपूर्ति को चरणबद्ध तरीके से बहाल कर दिया गया है।

नेशनल यूनियन जर्नलिस्ट की आवश्यक बैठक संपन्न, गिरजाशंकर राय बने मार्टिनगंज तहसील अध्यक्ष

आजमगढ़(आर एन एस) नेशनल यूनियन जर्नलिस्ट (उत्तर प्रदेश) जनपद आजमगढ़ की एक आवश्यक बैठक रविवार को आर.ए.आर. मैरिज हॉल, महूजा रोड, मार्टिनगंज में आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।बैठक के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी श्री बलराम गुप्ता का माल्यार्पण, अंगवस्त्र एवं स्मृति–भेंट देकर भव्य स्वागत किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज और सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है तथा लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। उन्होंने कहा कि पत्रकार सीमित संसाधनों के बावजूद पूर्ण ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ बिना किसी स्वार्थ के अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं, जबकि उनके जीवन–निर्वाह के लिए सरकार द्वारा पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई है।बैठक में सर्वसम्मति से श्री गिरजाशंकर राय को नेशनल यूनियन जर्नलिस्ट का मार्टिनगंज तहसील अध्यक्ष मनोनीत किया गया। वहीं भाजपा के जिला महामंत्री श्री अंकुर राय ने अपने संबोधन में कहा कि पत्रकार समाज और सरकार के बीच आईने का कार्य करते हैं तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. संतोष कुमार श्रीवास्तव ने की।

ठेकमा पानी न मिलने से भड़के किसान

आजमगढ़(आर एन एस) विकासखंड ठेकमा के ग्राम पंचायत भवतर में शारदा सहायक खंड 23 की माइनर का फाटक बंद होने से करीब 16 गांवों के किसानों में आक्रोश है। पानी न मिलने के कारण धान की रोपाई प्रभावित हो रही है।सोमवार को भवतर, सरायपलटू, बालपुर, खरैला सहित प्रभावित गांवों के किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि राजवाहा अधिकारियों द्वारा माइनर का फाटक बंद कर दिया गया है, जिससे खेतों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है और धान की रोपाई में दिक्कत हो रही है।इस दौरान अजय मिश्रा, पिंटू सिंह ठक्क भवतर, मोनू सिंह, नन्दन सिंह, प्रीतम सिंह, चन्दर यादव, चंदन सिंह, दिनेश सिंह, प्रमोद मिश्रा, मोछू यादव, रवि तिवारी, कमलेश यादव सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।वहीं शारदा सहायक खंड 23 ठेकमा के एक्सईएन वीरेंद्र सिंह ने बताया कि पहले जिन क्षेत्रों में पानी नहीं पहुंच पा रहा था, वहां सप्लाई की जा रही है। एक–दो दिन में इस माइनर को भी खोल दिया जाएगा।

रेनबो चिल्ड्रेन अस्पताल में नवजात अदला-बदली के पूर्व प्रकरण में छह लोगों पर एफआईआर

आजमगढ़(आर एन एस)जिले के चर्चित रेनबो चिल्ड्रेन अस्पताल में नवजात शिशुओं की कथित अदला–बदली के मामले में जिला प्रशासन की जांच के बाद बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय की ओर से सिधारी थाने में तहरीर देकर अस्पताल से जुड़े कर्मचारियों, प्रबंधन के सदस्यों और दूसरे दंपती सहित छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर पूरे मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, उप मुख्य चिकित्साधिकारी एवं नोडल अधिकारी डॉ. आलेन्द्र कुमार ने अपनी तहरीर में बताया कि आसिफगंज निवासी कमलेश वर्मा ने 4 जून 2026 को जिलाधिकारी से शिकायत की थी। शिकायत में कहा गया कि उनकी पत्नी नेहा सोनी ने 12 मई को बलिया जिला महिला अस्पताल में पुत्र को जन्म दिया था, जिसे इलाज के लिए तिवारीपुर स्थित रेनबो चिल्ड्रेन अस्पताल में भर्ती कराया गया था।आरोप है कि 27 मई को अस्पताल प्रबंधन ने उनके पुत्र की जगह एक नवजात बच्ची उन्हें सौंप दी।

वीर हनुमान सिद्ध पीठ मंदिर निर्माण को मिलेगा जनसहयोग

चित्रकूट। अखिल भारतीय कहार समाज धर्मशाला में रविवार को आयोजित समाज की भव्य महापंचायत में संगठन की मजबूती, धर्मशाला के विकास और वीर हनुमान सिद्ध पीठ मंदिर निर्माण को लेकर कई ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के विभिन्न जनपदों से पहुंचे समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं, जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने एक स्वर में समाज की एकता और धार्मिक—सामाजिक कार्यों को नई गति देने का संकल्प लिया। महापंचायत की अध्यक्षता कानपुर निवासी वीर बहादुर रैकवार ने की, जबकि संचालन जमुना प्रसाद रैकवार श्यंगदश (बांदा) ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत समाज के सभी उपस्थित सदस्यों के परिचय के साथ हुई। इसके बाद सतना से आए वरिष्ठ अधिवक्ता मुरारी लाल सोधिया ने धर्मशाला ट्रस्ट से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी देते हुए समाज से संगठित होकर धर्मशाला और मंदिर के विकास में बढ़—चढ़कर सहयोग करने का आह्वान किया। महापंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि धर्मशाला परिसर में निर्माणाधीन वीर हनुमान सिद्ध पीठ मंदिर को समाज की आस्था का भव्य केंद्र बनाया जाएगा। इसके लिए व्यापक जनसहयोग अभियान चलाया जाएगा। मंदिर निर्माण समिति के संयोजक वीर बहादुर रैकवार ने घोषणा की कि मंदिर निर्माण में सहयोग करने वाले 5,000 से अधिक दानदाताओं के नाम मंदिर परिसर में स्थापित शिलापट्ट पर स्थायी रूप से अंकित किए जाएंगे, ताकि समाज के योगदान को आने वाली पीढ़ियां भी याद रख सकें। बैठक के दौरान धर्मशाला के अध्यक्ष छेदीलाल भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि बढ़ती उम्र के कारण अब वह पहले जैसी सक्रिय भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। समाजहित को सर्वोपरि बताते हुए उन्होंने धर्मशाला से जुड़े दस्तावेज एवं कार्यभार वीर बहादुर रैकवार को सौंपने की इच्छा जताई और भविष्य में भी हर संभव सहयोग देने का भरोसा व्यक्त किया।महापंचायत में धर्मशाला के अध्यक्षयवट की ओर होने वाले सीमांकन को लेकर भी विस्तृत रणनीति बनाई गई। समाज को जानकारी दी गई कि प्रशासन ने 31 जुलाई 2026 को सीमांकन की तिथि निर्धारित की है। इस अवसर पर समाज के सभी लोगों से सुबह 9 बजे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मशाला के हित में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की अपील की गई।बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि धर्मशाला की मासिक बैठक प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को नियमित रूप से आयोजित की जाएगी। अगली बैठक 9 अगस्त 2026 को होगी, जिसमें मंदिर निर्माण और धर्मशाला के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी।महापंचायत के अंत में समाज की एकता, संगठन की मजबूती, युवा पीढ़ी की भागीदारी और धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाने का सामूहिक संकल्प लिया गया।इस अवसर पर उमेश कुमार रैकवार (एडवोकेट, प्रयागराज), अवधेश रैकवार (एडवोकेट, छतरपुर), सुनील रैकवार (छतरपुर), बलदेव प्रसाद रैकवार (एडवोकेट, महोबा), मुरारी लाल सोधिया (एडवोकेट, सतना), वीर बहादुर रैकवार (कानपुर), कैलाश नाथ रैकवार (राजपुर), राजेश कुमार रैकवार, गोपीचंद्र रैकवार (सीतापुर), सीताराम रैकवार (कर्वी), छेदीलाल (अध्यक्ष), जमुना प्रसाद रैकवार (बांदा), श्यामलाल रैकवार श्दादश (कर्वी), देशराज रैकवार (अध्यक्ष, वेदव्यास महासभा, महोबा), कैलाश बाबू रैकवार (पूर्व विधानसभा प्रत्याशी), सोनू रैकवार (कर्वी), सूर्य प्रकाश रैकवार (राजापुर), मुन्ना लाल अकेला (मंडल अध्यक्ष, अखिल भारतीय कहार महासभा), नितिन कश्यप (अलीगढ़), अनिल कुमार धुरिया (सेवानिवृत्त इंजीनियर), अर्जुन प्रसाद सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग एवं समाजबंधु उपस्थित रहे।

जानकीकुण्ड में 171 कन्याएं कर रही गौरी-जया पार्वती व्रत

चित्रकूट। परमहंस संत रणछोड़दास महाराज की तपोस्थली जानकीकुण्ड चित्रकूट स्थित श्री रघुवीर मन्दिर ट्रस्ट द्वारा लगभग 42 वर्षों से प्रतिवर्ष गौरी एवं जया पार्वती व्रत का आयोजन किया जा रहा है। सदगुरु महिला समिति की अध्यक्ष ऊषा बी. जैन ने बताया कि यह व्रत प्रतिवर्ष आषाढ़ शुक्ल त्रयोदशी से श्रावण .ष्ण द्वितीया तक पांच दिनों में मनाया जाता है तथा कुंवारी बालिकाओं द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की इसमें आराधना, पूजा एवं उपासना की जाती है। इस वर्ष ट्रस्ट परिवार की कुल 171 बालिकायें इस व्रत में सम्मिलित हुई हैं। प्रथम दिवस ज्वारोरोपण के साथ यह व्रत आरम्भ होकर प्रतिदिन नित्य नियम पूजन इत्यादि के साथ अंतिम दिवस पर माता का रात्रि जागरण होता है। जिसमें बालिकाएं धार्मिक प्रसंगों पर विभिन्न सांस्.तिक प्रस्तुतियां करती हैं। अंत में ज्वारा विसर्जन के साथ व्रत का उद्यापन होता है। इस कार्यक्रम में गुरुभाई बहनें एवं शिष्य परिवार भी इसमें बढ़चढ़ कर सम्मिलत होते हैं तथा व्रत करने वाली बालिकाओं को देवी का स्वरुप मान कर उनके चरण प्रक्षालन पूजन कर पुण्यार्जन करते हैं।

पृथक बुंदेलखंड राज्य निर्माण के लिए भरतकूप से शुरू हुई गांव-गांव पांव-पांव यात्रा

चित्रकूट। पृथक बुंदेलखंड राज्य निर्माण के लिए बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष फिल्म अभिनेता राजा बुंदेला के नेतृत्व में अराजनैतिक गांव—गांव पांव—पांव यात्रा सोमवार को भरत जी मंदिर भरतकूप से पूजा अर्चन के साथ शुरू हुई। धर्मनगरी के प्रमुख संतों ने यात्रा में सहभागिता की और पृथक बुंदेलखंड राज्य मुद्दे को अपना जोरदार समर्थन दिया।कामतानाथ प्रमुख द्वार के संत मदनदास महराज ने कहा कि पृथक बुंदेलखंड राज्य बने बिना समग्र विकास की संकल्पना बेमायने है। दिगंबर अखाड़ा के महंत दिव्यजीवन दास महराज ने कहा कि बुंदेलखंड राज्य की मांग जन—जन को उठाने की जरूरत है। ताकि यह विचार क्रांति बने। गायत्री शक्तिपीठ के व्यवस्थापक डा. रामनारायण त्रिपाठी ने कहा कि पृथक बुंदेलखंड राज्य की मांग अब अंतिम पायदान में है। जल्द ही इसके परिणाम आएंगे। मत्तगजेंद्रनाथ मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीपदास महराज ने यात्रा की सफलता की कामना की। भरतकूप मंदिर के महंत लवकुशदास महराज ने कहा कि अब धैर्य टूट रहा है दशकों पुरानी पृथक राज्य की मांग पूरी होनी चाहिए।बुंदेलखंड संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष राजा बुंदेला ने कहा कि अगर पंजाबी का पंजाब और गुजराती का गुजरात है तो हम बुंदेलखंडियों का भी बुंदेलखंड होना चाहिए। हक मांगना हमारा अधिकार है। जब विचार क्रांति तेज करेंगे तो मजबूर होकर सरकारें मांगे मानने पर विवश हो जाएंगी। भरत मंदिर के बाद यात्रा भरतकूप कस्बे में पहुंची। यहां पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रमेश पटेल के आवास में गोष्ठी हुई। यात्रा के संयोजक पूर्व विधायक दिनेश प्रसाद मिश्र ने कहा कि यात्रा को अभूतपूर्व समर्थन और सहयोग मिल रहा है। बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि 28 जुलाई को पहाड़ी कस्बे में स्थित शांती देवी इंटर कॉलेज और हनुमत इण्टर कॉलेज नांदी में गोष्ठी और अरछा बरेठी गाँव में चौपाल कार्यक्रम होगा।

5 के विरुद्ध यूपी गुण्डा एक्ट की कार्यवाही

चित्रकूट। एसपी के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने को अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के क्रम में प्रभारी निरीक्षक मऊ श्रीप्रकाश यादव ने गुंडागर्दी करने वाले कंचन पुत्र राजेश सिंह निवासी खण्डेहा, मोदीलाल पुत्र .ष्ण प्रसाद निवासी खप्टिहा व प्रभारी निरीक्षक बरगढ़ रीता सिंह ने अरविन्द पटेल पुत्र अजय पटेल निवासी मुरका, अरविन्द पाण्डेय पुत्र अजबलाल पाण्डेय निवासी चचोखर एवं प्रभारी निरीक्षक भरतकूप विनोद कुमार राय ने वीरेन्द्र सिंह उर्फ रामू ठाकुर पुत्र दद्दू सिंह निवासी पतौड़ा के विरुद्ध यूपी गुंडा नियंत्रण अधिनियम के तहत कार्यवाही की है।

बैंक एवं वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा का लिया जायजा

चित्रकूट। एसपी के निर्देशन तथा अपर एसपी पीयूषकांत राय के पर्यवेक्षण में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में स्थित बैंक एवं वित्तीय संस्थानों तथा उनके आसपास सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा बैंक परिसरों तथा उनके आसपास मौजूद संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की गहनता से जांच की। बैंकों के सुरक्षा रजिस्टर का निरीक्षण कर ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों एवं पुलिसकर्मियों को सतर्कता व जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। बैंक परिसरों में स्थापित अलार्म, सायरन एवं सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता का परीक्षण किया गया। शाखा प्रबंधकों एवं बैंक अधिकारियों से सुरक्षा संबंधी आवश्यक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए उन्हें संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को उपलब्ध कराने के लिए जागरूक किया गया। चेकिंग के दौरान बैंक परिसर एवं उसके आसपास अनावश्यक रूप से बैठे बिना किसी वैध कारण के मौजूद व्यक्तियों की पहचान कर उनसे पूछताछ की गई। उन्हें बैंक परिसर से बाहर कर भविष्य में अनावश्यक रूप से बैंक परिसर में न रुकने की हिदायत दी गई। साथ ही आमजन से अपील की गई कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना, पुलिस हेल्पलाइन पर दें।

123 मतदाताओं का नाम विलोपित होने के मामले में सफाई कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

सफाई कर्मचारी फिरोज अहमद पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग

बस्ती। उ.प्र. पंचायतीराज ग्रामीण कर्मचारी संघ जिलाध्यक्ष अजय कुमार आर्य के नेतृत्व में सफाई कर्मियों ने जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। मांग किया कि 589 मतदाताओं के डुपलीकेट मतदाता सूची से 123 मतदाताओं का नाम विलोपित होने के मामले में रुधौली विकास खण्ड के ग्राम पंचायत बरगदवा में तैनात सफाई कर्मचारी फिरोज अहमद पर रूधौली थाने में दर्ज मुकदमें को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाय।डीएम को सम्बोधित पत्र में कहा गया है कि जांच के अनुसार, डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची की फीडिंग 28 मई 2026 को हुई थी। पोर्टल का ओटीपी उप जिलाधिकारी के मोबाइल नंबर पर आया, जिसे राजस्व निरीक्षक रितेश नयन को दिया गया और आगे यह ओटीपी फिरोज अहमद (ब्लाक रुधौली) व एडीओ पंचायत सुभाषचन्द्र (सांऊघाट) को हस्तांतरित किया गया। जांच टीम ने अपनी आख्या में कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा अनाधिकृत रूप से ओटीपी प्राप्त कर मतदाताओं के नाम विलोपित किए गए, जो गंभीर प्रवृत्ति का मामला है, और यह भी सिफारिश किया कि किस कम्प्यूटर आईपी से फीडिंग हुई, इसकी पुलिस जांच जरूरी है।ज्ञापन देने के बाद सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजय कुमार आर्य ने कहा कि 29 जून की जांच आख्या में कहीं भी फिरोज अहमद का नाम उल्लिखित नहीं था, बावजूद इसके एसडीएम द्वारा उन्हें एफआईआर में शामिल कर दिया गया। कहा कि मतदाता सूची की फीडिंग की जिम्मेदारी राजस्व निरीक्षक की थी, जिन्हें कम्प्यूटर ऑपरेटर के साथ बैठकर स्वयं ओटीपी डालकर फीडिंग करानी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने ओटीपी अन्य लोगों को वितरित कर दिया।ज्ञापन की प्रति डीएम के साथ ही मुख्य विकास अधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उपनिदेशक पंचायत बस्ती मण्डल, जिला पंचायत राज अधिकारी और थानाध्यक्ष रुधौली को भी भेजा गया है।ज्ञापन सौंपने वालों में सफाई कर्मचारी संघ के मण्डलीय मंत्री रूद्रनरायन फर्फ रूदल, मंत्री मंशाराम, संगठन मंत्री अमित चक्रवर्ती, अशोक कुमार चौहान, रुधौली ब्लाक अध्यक्ष संजय कुमार यादव, हृदयलाल, अरूण कुमार आदि शामिल रहे।

चारो तहसीलों में गूंजी जनगणना पारिश्रमिक की मांग, शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

बस्ती। जनगणना कार्य में लगे शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशकों के पारिश्रमिक का भुगतान शीघ्र कराने की मांग को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने सोमवार को जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह एवं जिलामंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में जिले की सभी तहसीलों पर ज्ञापन सौंपा। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि दो दिनों के भीतर भुगतान नहीं किया गया तो उच्च अधिकारियों से शिकायत कर आंदोलन तेज किया जाएगा। बस्ती सदर तहसील में संयुक्त मंत्री सुरेश गौड़, प्रवीण श्रीवास्तव, ब्लॉक अध्यक्ष अशोक यादव, डॉ. प्रमोद सिंह, जिला प्रचार मंत्री विजय यादव, संजय यादव, हृदय विकास तथा शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ल के नेतृत्व में शिक्षकों ने ज्ञापन सौंपा।भानपुर तहसील में रामनगर ब्लॉक के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राहुल उपाध्याय, सल्टौआ ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश यादव, दीपचंद कनौजिया, रवि प्रताप सिंह, विजय कुमार, बब्बन पाण्डेय एवं चंद्रशेखर पाण्डेय के नेतृत्व में तहसीलदार को ज्ञापन दिया गया।रुधौली तहसील में अध्यक्ष शिवरतन, मंत्री रामभवन, मूलचंद, दिलीप, कैलाश तथा पवन यादव के नेतृत्व में शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। हर्रैया तहसील में जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुधीर तिवारी, जिला उपाध्यक्ष रवीश मिश्र, संगठन मंत्री विवेककान्त पाण्डेय, हर्रैया ब्लॉक अध्यक्ष रामसागर वर्मा, मंत्री रामपियारे तथा कप्तानगंज ब्लॉक अध्यक्ष हरेंद्र यादव के नेतृत्व में नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया।ज्ञापन के दौरान शिक्षक नेताओं ने कहा कि जनगणना कार्य में लगे शिक्षक, शिक्षामित्र एवं अनुदेशकों ने अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाई है। इसके बावजूद पारिश्रमिक भुगतान में हो रही अनावश्यक देरी प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाती है और शासन की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि दो दिन के भीतर सभी कार्मिकों का भुगतान नहीं हुआ तो संगठन उच्च अधिकारियों से शिकायत कर आगे की रणनीति तय करेगा।इस दौरान भानपुर तहसीलदार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए बताया कि सल्टौआ ब्लॉक के कार्मिकों का भुगतान मंगलवार को ही बैंक भेज दिया गया है।

मुक्त कराए गए 5 बाल श्रमिक, 4 दुकानदारों पर कार्रवाई

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी एएचटी राकेश कुमार सिंह एवं श्रम प्रवर्तन अधिकारी महेंद्र कुमार शुक्ला के नेतृत्व में संयुक्त टीम गठित कर थाना कर्वी क्षेत्र के चौकी शिवरामपुर एवं थाना भरतकूप क्षेत्र में बचपन बचाओ आंदोलन के अंतर्गत बाल श्रम उन्मूलन अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न दुकानों एवं ढाबों का निरीक्षण किया गया। जिसमें कुल पांच बच्चे बाल श्रम करते हुए पाए गए। सभी बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराते हुए उनके हित में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। साथ ही बाल श्रम कराने वाले चार दुकानदारों, ढाबा संचालकों के विरुद्ध श्रम विभाग द्वारा निरीक्षण टिप्पणी, चालान की कार्रवाई की गई। प्रतिष्ठान संचालकों को बाल श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी देते हुए भविष्य में किसी भी बच्चे से श्रम न कराने की सख्त हिदायत दी गई। पुलिस एवं श्रम विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई कि यदि कहीं भी बाल श्रम कराया जाता हुआ दिखाई दे तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस या श्रम विभाग को दें। ताकि दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई कर बच्चों के सुरक्षित एवं उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित किया जा सके।

डीएम ने नामित किए एसडीएम के लिंक अधिकारी

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग ने बताया कि कार्य विभाजन में आंशिक संशोधन करते हुए जनपद में तैनात उप जिलाधिकारियों के अवकाश पर रहने की स्थिति में उनके स्थान पर कार्य संपादन के लिए लिंक अधिकारी नामित किए गए हैं। उप जिलाधिकारी कर्वी के लिंक अधिकारी उप जिलाधिकारी न्यायिक कर्वी, उप जिलाधिकारी मऊ के लिंक अधिकारी उप जिलाधिकारी मानिकपुर, उप जिलाधिकारी मानिकपुर के लिंक अधिकारी उप जिलाधिकारी मऊ, उप जिलाधिकारी राजापुर के लिंक अधिकारी अपर उप जिलाधिकारी कर्वी तथा अपर उप जिलाधिकारी, कर्वी के लिंक अधिकारी उप जिलाधिकारी कर्वी होंगे। इसी प्रकार उप जिलाधिकारी न्यायिक कर्वी, मऊ के अवकाश पर रहने की स्थिति में संबंधित उप जिलाधिकारी कर्वी, मऊ लिंक अधिकारी के रूप में कार्यभार का निर्वहन करेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभावी होगा। तद्नुसार अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

निषाद पार्टी ने विधायक को सौंपा ज्ञापन, विधानसभा में निषाद समाज के अधिकारों की आवाज उठाने की मांग

बस्ती। निषाद पार्टी के प्रदेश महासचिव दीपू निषाद और जिला अध्यक्ष अशोक निषाद के नेतृत्व में रुधौली विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी को उनके आवास पर ज्ञापन सौंपा गया। सोमवार को सौंपे ज्ञापन के माध्यम से विधायक से मांग किया गया कि निषाद समाज से जुड़े आरक्षण एवं जाति प्रमाण—पत्र के मुद्दे को उत्तर प्रदेश विधानसभा में प्रमुखता से उठाया जाए।ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश शासन की अधिसूचनाओं एवं शासनादेशों के अनुरूप निषाद समाज की विभिन्न उपजातियों को अनुसूचित जाति के अधिकार एवं प्रमाण—पत्र जारी किए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। साथ ही ओबीसी श्रेणी में जारी प्रमाण—पत्रों पर रोक लगाकर शासनादेशों का प्रभावी अनुपालन कराया जाए। विधायक से इस संबंध में सरकार के समक्ष विषय उठाने तथा आवश्यक कार्रवाई कराने की मांग की गई प्रदेश महासचिव दीपू निषाद और जिला अध्यक्ष अशोक निषाद ने ज्ञापन सौंपने के बाद कहा कि निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के निर्देश पर निषाद समाज के हक और अधिकारों की लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए यह ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि समाज के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी लगातार संघर्ष कर रही है और आगे भी करती रहेगी। कहा कि निषाद समाज ने सदैव अनेक सांसद, विधायक, मंत्री दिये किन्तु निषाद समाज के दर्द को निषाद पार्टी के अलावा किसी ने नहीं सुना। इस मौके पर युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मराज निषाद, अजय निषाद, धनपत, यमुना निषाद, मनीष निषाद, प्रभात निषाद, हरि साहनी, ज्ञान प्रकाश, राम अनुज, बृजराज निषाद सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोलहवीं पुण्य तिथि पर हदीसुननिशां को किया नमन

बस्ती। कबीर साहित्य सेवा संस्थान द्वारा जिलाध्यक्ष मोहम्मद सामईन फारुकी के संयोजन में मरहुम हदीसुन निशां के सोलहवीं पुण्य तिथि पर प्रेस क्लब सभागार में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डा. राम कृष्णलाल 'जगमग' ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आयुष चिकित्साधिकारी डा वी. के. वर्मा ने कहा कि संसार में मां का स्थान कोई दूसरा नहीं ले सकता। मोहम्मद सामईन फारुकी का प्रयास सराहनीय है। माता की स्मृतियों को जीवित रखना एक नेक पुत्र की जिम्मेदारी है।विशिष्ट अतिथि त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, अर्चना श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा, सलीम बस्तवी आदि ने कहा कि अच्छे लोगों को सदैव याद किया जाना चाहिये। वक्ताओं ने मरहुम हदीसुन निशा के सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। मोहम्मद सामईन फारुकी ने कहा कि उनकी मां ने कठिन परिस्थितियों में भी परिवार को अच्छे संस्कार दिये। कार्यक्रम में कवियों ने मां पर केन्द्रित रचनायें सुनाकर वातावरण को भावुक कर दिया। संचालन दीपक सिंह प्रेमी ने किया।श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से पं. चन्द्रबली मिश्र, सागर गोरखपुरी, डा. अफजल हुसेन अफजल, शाद अहमद शाद, हरिकेश प्रजापति, नीरज कुमार वर्मा, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, सूर्य कुमार शुक्ल, अनुराग कुमार श्रीवास्तव, फूलचन्द चौधरी आदि ने दो मिनट का मौन रखकर मरहुम हदीसुन निशां को नमन् किया।

आर्या सिंह के जन्मदिन पर आदिवासी पाठशाला में का उल्लास

चित्रकूट। घनघोर जंगलों के बीच बांस बल्ली से निर्मित निशुल्क आदिवासी पाठशाला में उस समय खुशियों का माहौल बन गया जनपद निवासी रणजीत सिंह की छह वर्षीय बेटी आर्या सिंह का जन्मोत्सव वंचित एवं असहाय आदिवासी कोल जनजाति के मासूम बच्चों के बीच मनाया गया। शहरों में जन्मदिन के अवसर पर होने वाली चकाचौंध और दिखावे से दूर जंगल की शांत वादियों में मनाया गया यह जन्मोत्सव अपने आप में बेहद खास और भावुक कर देने वाला रहा। आर्या सिंह ने अपना जन्मदिन उन बच्चों के बीच मनाने का निर्णय लिया जिनके जीवन में खुशियों के ऐसे अवसर बहुत कम आते हैं। जन्मदिन समारोह में शामिल आदिवासी बच्चों के चेहरों पर खुशी देखते ही बन रही थी। पाठशाला में पढ़ने वाले कई मासूम बच्चों ने अपने सामने पहली बार किसी का जन्मदिन मनाते हुए देखा। जब आर्या सिंह ने बच्चों के बीच केक काटा तो बच्चों की आंखों में उत्सुकता, चेहरे पर मुस्कान और मन में उमंग साफ दिखाई दे रही थी। बच्चों ने तालियों और खुशियों के साथ आर्या को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। यह पल उपस्थित सभी लोगों के लिए बेहद भावुक और यादगार बन गया। इस अवसर पर जन्मोत्सव को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम भी किया गया। पाठशाला परिसर में बच्चों के साथ मिलकर अमरूद, कटहल, नींबू, करौंदा सहित विभिन्न फलदार एवं फूलदार पौधों का रोपण किया गया। बच्चों ने पौधों को अपने हाथों से रोपित कर उन्हें पानी दिया और उनकी देखभाल का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि जन्मदिन को केवल केक काटने और उत्सव तक सीमित न रखकर यदि इसे किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने और प्र.ति को जीवन देने से जोड़ा जाए, तो इससे बड़ी खुशी और कोई नहीं हो सकती। कार्यक्रम के दौरान आदिवासी बच्चों एवं ग्रामीणों के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया।

चक मार्ग से अवैध कब्जा हटाने की मांग, ग्रामीणों ने डीएम को सौंपा पत्र, दिया आन्दोलन की चेतावनी

बस्ती। सोमवार को नगर पंचायत कप्तानगंज स्थित वार्ड नम्बर 1 अम्बेडकर नगर मोहल्ला चौखड़ा के ग्रामीणों ने सार्वजनिक चक मार्ग से अवैध कब्जा हटवाने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा गया। महेश कुमार पुत्र राम अजोर के नेतृत्व में पहुंचे ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव के सार्वजनिक चक मार्ग (गाटा संख्या 64) पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है, जिससे ग्रामीणों के आवागमन में भारी परेशानी हो रही है।ज्ञापन सौंपने के बाद ग्रामीणों ने बताया कि उक्त चक मार्ग की पैमाइश राजस्व विभाग की टीम द्वारा 11 जुलाई 2026 को नायब तहसीलदार, कानूनगो एवं लेखपाल की मौजूदगी में करने के साथ सीमांकन भी कर दिया गया था। इसके बावजूद कब्जाधारियों द्वारा मार्ग खाली नहीं किया गया और उस पर खेती कर अवैध कब्जा बनाए रखा गया है।शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया है कि रामगोपाल, बाबूराम और रमेश द्वारा चकरोट को काट लिया गया है, जिससे ग्रामीणों का आना—जाना बाधित हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उन्हें मारपीट की धमकी दी गई। इस दौरान उन्होंने तत्काल डायल 112 पुलिस को भी सूचना दी थी। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग किया कि राजस्व विभाग एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम भेजकर सार्वजनिक चक मार्ग को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा मिल सके। इसके साथ ही चेतावनी दिया कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे धरना—प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में सुरेन्द्र कुमार, महेन्द्र, गुड्डू, राजकुमार, श्रीराम, ओमप्रकाश, दयाशंकर, राजा बाबू, अनीता देवी, मिथलेश देवी, सीमा, गड़ना देवी, शीला देवी, सेहरा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सांप के डसने से कक्षा छः की छात्रा की मौत, परिवार में मचा कोहराम

आजमगढ़ (आर एन एस)पवई क्षेत्र के दशनवल गांव में सोमवार सुबह सांप के डसने से कक्षा छरू की 12 वर्षीय छात्रा की उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।जानकारी के अनुसार, ग्राम दशनवल निवासी सुनील कुमार सिंह की 12 वर्षीय पुत्री शालिनी सिंह सोमवार सुबह करीब नौ बजे घर के पास उपली निकाल रही थी। इसी दौरान उसे सांप ने डस लिया। छात्रा की हालत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल जनपद अंबेडकर नगर के जलालपुर स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रेफर कर दिया।इसके बाद परिजन छात्रा को जौनपुर जनपद के शाहगंज स्थित एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां भी चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद उसे जौनपुर के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।शालिनी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो—रोकर बुरा हाल है।

दो बुलेट की आमने-सामने भिड़ंत मे युवक हुए घायल

आजमगढ़ (आर एन एस)नगर पंचायत कटघर लालगंज स्थित राजेश रेस्टोरेंट के समीप रविवार की रात्रि लगभग 10रु30 बजे दो बुलेट मोटरसाइकिलों की आमने—सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि पीछे बैठा युवक मामूली रूप से जख्मी हुआ। दुर्घटना के बाद दूसरी बाइक का चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।प्राप्त समाचार के अनुसार राजेश रेस्टोरेंट के सामने दोनों बाइकों की आमने—सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में नीली बुलेट चला रहे शनि गुप्ता (24) वर्ष पुत्र साहब गुप्ता, निवासी बिंद्रा बाजार, थाना गंभीरपुर गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके साथ पीछे बैठे अंश गुप्ता पुत्र ओंकार गुप्ता को हल्की चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर मौजूद समाजसेवी विवेक सोनकर ने तत्परता दिखाते हुए स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल सौ सैया संयुक्त चिकित्सालय लालगंज पहुंचाया।

आन्दोलन की सफलता पर भाकपा कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

बस्ती। नई दिल्ली के जंतर—मंतर पर छात्रों और युवाओं द्वारा किए गए आन्दोलन की सफलता और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी भाकपा और भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशियों को साझा किया। रौता चौराहा स्थित कार्यालय पर जिला सचिव भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी अशर्फीलाल एवं भाकपा (माले) के जिला प्रभारी राम लौट के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मिठाई वितरित कर जश्न मनाया।जिला सचिव अशर्फीलाल और जिला प्रभारी राम लौट ने कहा कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर छात्रों और युवाओं के समर्थन में उन्होंने पूर्व में जिला अधिकारी कार्यालय पर ज्ञापन भी सौंपा था। कहा कि यह जीत देश के छात्रों और युवाओं के संघर्ष की जीत है।

जस्टिन ग्रीव्स ने टेस्ट मैच में रचा इतिहास, 5 विकेट-मेडन ओवर का बनाया वर्ड रिकार्ड

वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट में लगातार पांच विकेट–मेडन ओवर फेंककर टेस्ट क्रिकेट में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। त्रिनिदाद में उन्होंने स्टुअर्ट ब्रॉड का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 11 ओवर में 5 27 का करियर–सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिससे वेस्टइंडीज को महत्वपूर्ण बढ़त मिली।त्रिनिदाद में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में जस्टिन ग्रीव्स लगातार पांच विकेट–मेडन ओवर फेंकने वाले पहले गेंदबाज बन गए। वेस्टइंडीज के इस ऑलराउंडर ने वह कारनामा कर दिखाया है जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में किसी और खिलाड़ी ने नहीं किया है। उनकी यह उपलब्धि इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के उस रिकॉर्ड से बेहतर है, जिन्होंने जनवरी 2016 में जोहान्सबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार चार विकेट–मेडन ओवर फेंके थे।दिन के खेल के आखिर तक, वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को पहली पारी में 282 रनों पर रोकने के बाद 155 रनों की बढ़त बना ली थी। तारोबा के ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में तीसरे दिन पाकिस्तान ने मजबूत शुरुआत की। हालाँकि, 31 साल के ग्रीव्स ने मैच का रुखɹ बदल दिया और 11 ओवर में 5ɹ27 के अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ आँकड़े हासिल किएय उन्होंने लगातार पाँच मेडन ओवरों में पाँचों विकेट लिए।शान मसूद की सेंचुरी की बदौलत पाकिस्तान 158ɹ2 के स्कोर पर मजबूत स्थिति में था। लेकिन दिन के दूसरे हिस्से में पारी का रुखɹ पूरी तरह से बदल गया। ग्रीव्स ने 64वें ओवर में सबसे पहले मसूद को बोल्ड किया और फिर अगले चार ओवरों में आमिर जमाल, अली उस्मान, मोहम्मद रिजवान और मोहम्मद अब्बास को आउट किया। दिन का खेल खत्म होने के बाद, ग्रीव्स ने अपनी इस कामयाबी का

श्रेय एक आसान सी रणनीति को दिया। उन्होंने कहा कि वे कप्तान रोस्टन चेस के निर्देशों पर ही चले। उन्होंने कहा कि जब मैं गेंदबाजी करने आया, तो कप्तान रोस्टन चेस ने बस इतना कहा कि श्जो तुम कर रहे हो, उसमें अनुशासन बनाए रखोश और कोशिश करो कि टीम के लिए कुछ विकेट ले सकूं। गेंद अच्छी तरह से स्विंग हो रही थी और मुझे उसका फायदा भी मिला। जब भी मेरे हाथ में गेंद होती है, तो टीम मुझसे उम्मीद करती है कि मैं एक भरोसेमंद खिलाड़ी के तौर पर मुश्किल हालात से उन्हें बाहर निकालूं। उन्होंने आगे कहा कि लगातार पांच विकेट लेने के बाद वे बहुत खुश थे, लेकिन उन्हें लगता है कि अभी और भी बहुत कुछ हासिल करना बाकी है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए टी इण्डिया घोषित, रविन्द्र जाडेजा और सरांस जैन को जगह

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है, जिसमें अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की वापसी हुई है। शुभमन गिल की कप्तानी में चुनी गई इस टीम में मध्य प्रदेश के सारांश जैन को पहली बार बुलावा मिला है, जो एक नई प्रतिभा के रूप में उभरे हैं। जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन का खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा।भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्प्) ने श्रीलंका के खिलाफ अगस्त में होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। अजीत अगरकर की अगुवाई वाली सिलेक्शन कमिटी ने शुभमन गिल की कप्तानी में 15 सदस्यों की टीम चुनी है, जिसमें केएल राहुल उप–कप्तान बने रहेंगे। टीम के ऐलान की सबसे खास बात अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की वापसी है, जो इस दौरे के लिए टेस्ट टीम में लौट आए उम्मीद के मुताबिक, चोट की वजह से पहले टेस्ट से बाहर होने के बाद ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल नहीं किया गया है। उनके न होने से स्पिन–बॉलिंग के दूसरे विकल्पों के लिए रास्ते खुल गए हैं, क्योंकि भारत श्रीलंका में ऐसी परिस्थितियों के लिए तैयारी कर रहा है जिनसे धीमे गेंदबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। चयनकर्ताओं ने स्पिन विभाग को मजबूत बनाए रखा है और दो मैचों की इस सीरीज के लिए रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार जैसे विकल्प मौजूद हैं। जडेजा की वापसी से गेंदबाजी आक्रमण के मजबूत होने की उम्मीद है, क्योंकि कप्तान शुभमन गिल भारत को वर्ल्ड

टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और बल्लेबाज साई सुदर्शन, दोनों को ही टीम में शामिल किया गया है। हालाँकि, सीरीज में उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। मैचों के लिए उनकी उपलब्धता पर टीम मैनेजमेंट के फाइनल फैसले से पहले, इन दोनों खिलाड़ियों का फिटनेस टेस्ट होगा। इस बीच, मध्य प्रदेश के ऑफ–स्पिन ऑल–राउंडर सारांश जैन को पहली बार टेस्ट टीम में बुलाया गया है।

आईपीएल में शाहीन अफरीदी के साथ बड़ी चूक, टीम लिस्ट की गलती से नहीं खेल सके अहम मुकाबला

लंका प्रीमियर लीग में प्रभाव खिलाड़ी के रूप में शाहीन अफरीदी का नाम शामिल न करना एक बड़ी तकनीकी भूल साबित हुई जिसने खिलाड़ी और फ्रेंचाइजी के बीच तनाव पैदा किया। भ्रष्टाचार निरोधक इकाई और मैच रेफरी की भागीदारी के बाद कैंडी रॉयल्स की माफी ने इस विवाद का अंत किया। खेल विशेषज्ञों के अनुसार ऐसी त्रुटियां टूर्नामेंट की साख और खिलाड़ियों के मनोबल को प्रभावित कर सकती हैं।

लंका प्रीमियर लीग में पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के साथ एक ऐसी प्रशासनिक चूक हुई जिसने टूर्नामेंट के दौरान बड़ा विवाद खड़ा कर दिया। मौजूद जानकारी के अनुसार कैंडी रॉयल्स की ओर से खेलने वाले अफरीदी को कोलंबो कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में प्रभाव खिलाड़ी के रूप में उतारने की तैयारी थी, लेकिन आधिकारिक टीम सूची में उनका नाम शामिल नहीं किया गया। इस गलती के कारण वह मुकाबले में हिस्सा नहीं ले सके।बता दें कि मुकाबले से पहले फ्रेंचाइजी प्रबंधन ने शाहीन शाह अफरीदी को भरोसा दिलाया था कि उन्हें प्रभाव खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतारा जाएगा। इसी योजना के तहत टीम ने रणनीति बनाई थी। हालांकि जब कैंडी रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी

करने का फैसला किया, तब पारी के दौरान टीम के मुख्य प्रशिक्षक ने अफरीदी को बताया कि आधिकारिक टीम सूची में उनका नाम दर्ज ही नहीं किया गया है। मौजूद जानकारी के अनुसार यह चूक टीम के एक विश्लेषक की गलती के कारण हुई। नियमों के मुताबिक यदि किसी खिलाड़ी का नाम पहले से प्रभाव खिलाड़ी की सूची में शामिल नहीं किया जाता, तो उसे मैच के दौरान मैदान पर नहीं उतारा जा सकता। यही वजह रही कि टीम चाहकर भी शाहीन शाह अफरीदी को मुकाबले में शामिल नहीं कर सकी।गौरतलब है कि इस घटना से शाहीन शाह अफरीदी काफी नाराज हो गए थे। रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने तत्काल पाकिस्तान लौटने का मन बना लिया था। मामला बढ़ता देख उन्होंने लंका प्रीमियर लीग की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई के एक अधिकारी से भी संपर्क किया। इसके बाद यह पूरा मामला मैच रेफरी तक पहुंच गया, जिससे लीग आयोजकों और फ्रेंचाइजी प्रबंधन को तुरंत हस्तक्षेप करना पड़ा।बाद में कैंडी रॉयल्स के अधिकारियों और लंका प्रीमियर लीग के आयोजकों ने शाहीन शाह अफरीदी से इस गलती के लिए माफी मांगी। काफी बातचीत के बाद उन्हें समझाया गया और वह टूर्नामेंट छोड़कर वापस नहीं गए। लीग के एक प्रवक्ता ने भी पुष्टि की कि विवाद की वजह मैच रेफरी को गलती से गलत टीम सूची भेजी जाना था।बता दें कि प्रभाव खिलाड़ी नियम के तहत टीमें मुकाबले से पहले कुछ सब्स्टिट्यूट खिलाड़ियों के नाम देती हैं। इनमें से एक खिलाड़ी को मैच के दौरान अंतिम एकादश के किसी खिलाड़ी की जगह उतारा जा सकता है। मैदान पर आने के बाद वह बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग सहित पूरी भूमिका निभा सकता है, जबकि बाहर होने वाला खिलाड़ी दोबारा मुकाबले में वापसी नहीं कर सकता है।शाहीन शाह अफरीदी इस टूर्नामेंट में अब तक तीन मुकाबले खेल चुके हैं। उन्होंने पहले मैच में एक विकेट लिया था, जबकि अगले दो मुकाबलों में भी उन्होंने क्रमशः एक और दो विकेट अपने नाम किए। हालांकि टीम सूची में हुई इस चूक के कारण वह एक महत्वपूर्ण मुकाबले से बाहर रह गए।यह मामला केवल चयन संबंधी गलती तक सीमित नहीं रहा, बल्कि टूर्नामेंट की भ्रष्टाचार निरोधक इकाई और मैच रेफरी तक पहुंच गया।

आफगानिस्तान सीरीज में बदलाव कर इण्डिया-बंगलादेश दौरे की तैयारी, बीबीसीआई जल्द मागेगा मंजूरी

बीसीसीआई और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच कूटनीतिक सुधारों के साथ सितंबर में सीमित ओवरों की श्रृंखला की संभावना बढ़ गई है। अफगानिस्तान सीरीज को स्थगित कर इस दौरे के लिए समय निकालने की रणनीतिक योजना बनाई जा रही है जो दोनों देशों के द्विपक्षीय क्रिकेट संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है। भारत बांग्लादेश दौरा क्रिकेट शेड्यूल बीसीसीआई।करीब एक साल से चली आ रही अनिश्चितता के बाद भारत और बांग्लादेश के क्रिकेट संबंधों में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड सितंबर के शुरुआत में भारत के बांग्लादेश दौरे की रूपरेखा तैयार करने में जुटे हुए हैं। यदि सभी जरूरी मंजूरियां समय पर मिल जाती हैं तो दोनों टीमों के बीच सीमित ओवरों की सीरीज खेली जा सकती है।बता दें कि इस प्रस्तावित दौरे को सफल बनाने के लिए बीसीसीआई और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड लगातार आपसी चर्चा कर रहे हैं। हालांकि इस श्रृंखला के आयोजन पर अंतिम फैसला भारत सरकार की मंजूरी मिलने के बाद ही लिया जाएगा। दोनों बोर्ड चाहते हैं कि सरकारी स्वीकृति मिलते ही कार्यक्रम की तुरंत घोषणा की जा सके।मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड दिल्ली में प्रस्तावित अफगानिस्तान

के खिलाफ तीन टी–20 मुकाबलों की सीरीज को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहा है। यदि ऐसा होता है तो सितंबर के पहले दो सप्ताह में भारत के लिए बांग्लादेश दौरे का समय उपलब्ध हो जाएगा। गौरतलब है कि भारत का श्रीलंका दौरा 27 अगस्त को समाप्त होने वाला है। इसके बाद सितंबर के शुरुआती दिनों में सीमित ओवरों की श्रृंखला आयोजित की जा सकती है।सूत्रों के अनुसार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने एक सितंबर से अपने प्रमुख मैदानों को खाली रखा है। बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के सामने कार्यक्रम के कई विकल्प भी रखे हैं ताकि दोनों देशों की सुविधा के अनुसार अंतिम कार्यक्रम तय किया जा सके।बांग्लादेश की पहली पसंद यह है कि तीन टी–20 मुकाबले एक मैदान पर और तीन एकदिवसीय मुकाबले दूसरे मैदान पर आयोजित किए जाएं। ढाका और चट्टोग्राम इस सीरीज के संभावित मेजबान शहर माने जा रहे हैं। हालांकि केवल एक प्रारूप की श्रृंखला आयोजित करने का विकल्प भी चर्चा में बताया जा रहा है।गौरतलब है कि दोनों क्रिकेट बोर्डों के अधिकारियों के बीच हाल ही में लंदन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की बैठक के दौरान भी इस विषय पर बातचीत हुई थी। उस दौरान अफगानिस्तान के खिलाफ प्रस्तावित श्रृंखला के कार्यक्रम और बांग्लादेश दौरे के बीच तालमेल बनाने पर भी चर्चा की गई थी।बता दें कि पिछले वर्ष भारत ने दोनों देशों के बीच बने कूटनीतिक तनाव के कारण बांग्लादेश का दौरा नहीं किया था। इसके बाद दोनों क्रिकेट बोर्डों के संबंधों में भी कुछ समय तक अनिश्चितता बनी रही। इसी दौरान बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान से जुड़े घटनाक्रम ने भी दोनों देशों के क्रिकेट संबंधों को चर्चा में ला दिया था।मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने पहले चयनकर्ताओं को अफगानिस्तान श्रृंखला की जानकारी दे दी थी, लेकिन आधिकारिक कार्यक्रम जारी नहीं किया गया।

विराट कोहली का जुनून देख संजू सैमसन हुए हैरान, मिली थी ये खास सलाह

विराट कोहली ने संजू सैमसन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बनने के लिए कठोर फिटनेस और लाइफस्टाइल अपनाने की सलाह दी, जिसे संजू ने कुछ समय तक फॉलो किया पर बाद में छोड़ दिया। सैमसन ने कोहली के जुनून की प्रशंसा करते हुए बताया कि उन्होंने अपनी शर्तों पर खेलने का फैसला किया है और टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के बाद अपने करियर को लेकर संतुष्ट हैं। भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज संजू सैमसन ने फिटनेस, लाइफस्टाइल और अनुशासन से जुड़ी उस सलाह के बारे में बात की जो उन्हें जिम सेशन के दौरान दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली से मिली थी और बताया कि उन्होंने इसे अपनी जिंदगी में कैसे अपनाया। संजू, जो प्ब्ब् ज्20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे थे उन्होंने वेस्ट इंडीज के खिलाफ वर्चुअल क्वार्टर–फाइनल से लेकर न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल तक लगातार अर्धशतक लगाते हुए कुल 321 रन बनाए थेकृवे

श्रपवैजंत के शो बिलीव में बात कर रहे थे। इस प्रोग्राम के दौरान संजू ने जिम में विराट के अंदर दिखने वाले श्जुनूनश की तारीफ की और बताया कि उन्हें एक इंटरनेशनल क्रिकेटर के तौर पर एक खास डाइट और लाइफस्टाइल बनाए रखने की सलाह मिली थी। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने विराट की सलाह को अपनी लाइफस्टाइल में अपनाने की कोशिश की, लेकिन जल्द ही उसे छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि हम सब जानते हैं कि विराट भाई कैसे हैं। वह सबके साथ बहुत साफ और सीधे–साफ बात करते हैं। अगर आपको कुछ करना है, तो वह आपको साफ–साफ बता देंगे कि क्या जरूरी है। जिम में वह जिस तरह से काम करते हैं, उनमें एक अलग ही जुनून दिखता है और मुझे उनकी यह बात बहुत पसंद है। हम दोनों इंडियन टीम के कैंप के दौरान जिम में साथ वर्कआउट कर रहे थे और मैंने उनसे पूछा, श्पाजी, मुझे क्या करना चाहिए? मुझे भी कुछ बताइ संजू ने आगे कहा कि उन्होंने मुझे बताया कि लाइफस्टाइल बहुत अहम भूमिका निभाती है। अगर आप इंटरनेशनल क्रिकेटर बनना चाहते हैं, तो आपको एक अलग तरह की लाइफस्टाइल अपनानी होगी। उन्होंने बताया कि उनके सफर में क्या चीजें काम आईं और मुझसे कहा कि यह खाना तुम्हारे शरीर को रिकवर करने में मदद करेगा, और यह वाला नहीं। अगर तुम अगले 10 सालों तक यह अनुशासन बनाए रखते हो, तो तुम्हारा करियर बहुत शानदार होगा। मैंने एक–डेढ़ साल तक तो इसे फॉलो किया, लेकिन उसके बाद मैं इसे जारी नहीं रख पाया। संजू ने ज्20 वर्ल्ड कप से पहले अपनी सोच के बारे में भी बात की। उस समय टूर्नामेंट से पहले टॉप–ऑर्डर या पहली पसंद वाले विकेटकीपर–बल्लेबाज के तौर पर उनकी जगह ईशान किशन ने ले ली थी और वह उस ष्लगातार मची होड़ष का हिस्सा नहीं बन[illegible] दाए [illegible] इस बल[illegible]नी

रोहित शर्मा के भविष्य पर दीप दासगुप्ता की दो टूक,वर्डकप तैयारी में न हो कन्फूजन

रोहित शर्मा के संन्यास पर चल रहे विवाद और बीसीसीआई के स्पष्टीकरण के बीच दीप दासगुप्ता ने प्रदर्शन आधारित चयन प्रक्रिया की वकालत की है। उनका तर्क है कि 2027 विश्व कप की तैयारियों के मद्देनजर टीम प्रबंधन को अनावश्यक चर्चाओं से बचकर केवल खिलाड़ियों के योगदान और निरंतरता पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई एकदिवसीय सीरीज के दौरान रोहित शर्मा के भविष्य और संभावित संन्यास को लेकर चली चर्चाओं पर अब पूर्व भारतीय विकेटकीपर दीप दासगुप्ता ने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि जब टीम सीरीज खेल रही हो, उस समय किसी वरिष्ठ खिलाड़ी के संन्यास को लेकर अटकलें लगाना बिल्कुल उचित नहीं है। उनके अनुसार किसी भी खिलाड़ी का भविष्य उसके प्रदर्शन से तय होना चाहिए, न कि अफवाहों से। बता दें कि यह विवाद उस समय शुरू हुआ था जब कार्डिफ में खेले गए दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में रोहित शर्मा जल्दी आउट हो गए थे। इसके बाद कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया कि लॉर्ड्स में होने वाला तीसरा मुकाबला उनके एकदिवसीय करियर का आखिरी मैच हो सकता है। कुछ खबरों में यह भी कहा गया कि टीम प्रबंधन रोहित शर्मा के अस्थिर प्रदर्शन को देखते हुए

आगे बढ़ने की तैयारी कर रहा है। इन खबरों के तेजी से फैलने के बाद भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड को भी सामने आना पड़ा। बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने इन सभी दावों को पूरी तरह निराधार बताते हुए खारिज कर दिया था। इसके बाद रोहित शर्मा ने मैदान पर अपने प्रदर्शन से जवाब दिया।उन्होंने लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 110 गेंदों पर 138 रन की शानदार पारी खेली। हालांकि भारत 388 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 27 रन से मुकाबला हार गया और तीन मैचों की श्रृंखला 2–1 से गंवा बैठा।गौरतलब है कि दीप दासगुप्ता ने अपने एक वीडियो संदेश में कहा कि इस पूरे घटनाक्रम ने उन्हें काफी परेशान किया। उनके अनुसार जब तक कोई खिलाड़ी लगातार रन बना रहा है और टीम के लिए योगदान दे रहा है, तब तक उसके भविष्य पर सवाल उठाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्होंने न तो किसी चयनकर्ता, न कप्तान और न ही मुख्य प्रशिक्षक की ओर से ऐसी कोई बात सुनी थी। ऐसे में इस तरह की चर्चाओं का माहौल बनना समझ से परे है।श्रृंखला समाप्त होने के बाद रोहित शर्मा ने भी इन अटकलों पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा कि उनका पूरा ध्यान केवल मैदान पर अपने प्रदर्शन और टीम की सफलता में योगदान देने पर रहता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाहरी चर्चाएं और अफवाहें उनके खेल पर कोई असर नहीं डालती हैं। उनके अनुसार मैदान के बाहर क्या कहा जा रहा है, उससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि खिलाड़ी मैदान पर कैसा प्रदर्शन करता है। व्यापकमल्टीप्लेयर गेमौजूद जानकारी के अनुसार भारत अब सितंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेलेगा। इसी को देखते हुए दीप दासगुप्ता ने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन से अपील की कि वर्ष 2027 के एकदिवसीय विश्व कप की तैयारी के दौरान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को लेकर अनावश्यक असमंजस की स्थिति नहीं बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ियों का मूल्यांकन समान आधार पर होना चाहिए। कुछ खिलाड़ियों को उनके लंबे और सफल करियर के कारण अधिक अवसर मिलना स्वाभाविक है, । लेकिन चयन का अंतिम आधार हमेशा प्रदर्शन ही होना चाहिए। उनके अनुसार भारतीय क्रिकेट में अनावश्यक बहस से अधिक ध्यान खिलाड़ियों के खेल और टीम के प्रदर्शन पर दिया जाना चाहिए, तभी टीम भविष्य की बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए मजबूत तैयारी कर सकेगी।

एफसीएनआर बी जमा से विदेशी पूंजी प्रवाह बढ़ा, ब्याज दरें स्थिर रख सकता है आरबीआई बार्कलेज

ब्रोकरेज फर्म बार्कलेज की एक रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत विदेशी पूंजी प्रवाह के कारण भारतीय रिजर्व बैंक आगामी अगस्त की मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों को यथावत रख सकता है। बैंकों ने एफसीएनआर बी जमा के जरिये करीब 32 अरब डॉलर जुटाए हैं जिससे रुपये पर जोखिम काफी हद तक कम हो गया है। इसके चलते केंद्रीय बैंक को अपना तटस्थ रुख बनाए रखने की गुंजाइश मिली है।मुंबई, 28 जुलाई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बढ़ती मुद्रास्फीति के बावजूद अगस्त की मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख नीतिगत ब्याज दर को यथावत रख सकता है। मजबूत विदेशी पूंजी प्रवाह से रुपये को लेकर चिंताएं कम हुई हैं जिससे केंद्रीय बैंक को तटस्थ रुख बनाए रखने की गुंजाइश मिली है। ब्रोकरेज फर्म बार्कलेज की एक रिपोर्ट में यह बात की गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि आरबीआई के पिछले महीने विदेशी पूंजी आकर्षित करने के लिए उठाए गए कदमों के बाद बैंकों ने मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा के जरिये करीब 32 अरब डॉलर जुटाए हैं जबकि सरकारी प्रतिभूतियों में सात अरब डॉलर से अधिक का विदेशी निवेश आया है। इसमें कहा गया कि विदेशी पूंजी प्रवाह में सुधार से रुपये पर संभावित जोखिम काफी हद तक कम हो गया है। बार्कलेज ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव फिर बढ़ने और अल नीनो की तीव्रता से उत्पन्न अनिश्चितताओं के मद्देनजर उसे आरबीआई के तटस्थ रुख बनाए रखने की उम्मीद है।रिपोर्ट में कहा गया, '' हमारा मानना है कि इस अस्थिरता के दौर में सबसे बेहतर कदम कुछ नहीं करना है।

कोल इंडिया का पहली तिमाही में पूंजीगत व्यय 16.64 प्रतिशत बढ़कर 3,399 करोड़ रुपये हुआ

नयी दिल्ली कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अपने पूंजीगत व्यय में 16.64 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है, जो बढ़कर 3,399 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी ने इस अवधि के दौरान भूमि अधिग्रहण, बुनियादी ढांचे के विकास और मशीनरी की खरीद पर महत्वपूर्ण निवेश किया है। कोल इंडिया के चेयरमैन बी. साईराम के अनुसार, इस निवेश से उत्पादन लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी।कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका पूंजीगत व्यय 16.64 प्रतिशत बढ़कर 3,399 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2,914 करोड़ रुपये था। देश की सबसे बड़ी कोयला कंपनी ने एक बयान में कहा कि अप्रैल–जून तिमाही में भूमि अधिग्रहण तथा पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आरएंडआर) गतिविधियों पर 804 करोड़ रुपये खर्च हुए, जो कुल पूंजीगत व्यय का लगभग एक–चौथाई है। समय पर भूमि अधिग्रहण कोयला खनन के लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि इसके बगैर भले ही भंडार उपलब्ध हों, खनन परियोजनाएं शुरू नहीं हो सकतीं न ही उनका विस्तार हो सकता है।

थलपति विजय के बेटे जेसन की फिल्म सिग्मा की रिलीज डेट आगे बढ़ा, अब 18 सितंबर को देगी दस्तक?

थलपति विजय के बेटे जेसन विजय सिग्मा से अपना डेब्यू कर रहे हैं। लोगों में इसे लेकर काफी उत्साह है क्योंकि यह उनका पहला प्रोजेक्ट है और वे तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे हैं।जेसन के निर्देशन में बनी सिग्मा को 31 जुलाई को रिलीज होना था, लेकिन इसे टाल दिया गया क्योंकि उनके पिता विजय की आखिरी फिल्म जना नायकन 24 जुलाई को रिलीज हुई थी, ताकि दोनों फिल्मों के बीच कोई मुकाबला न हो।

अब सिग्मा की नई रिलीज डेट को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। चर्चा है कि मेकर्स इस फिल्म को 18 सितंबर 2026 को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। फिल्म में फियारा अब्दुल्ला फीमेल लीड रोल में हैं, जबकि राजू सुंदरम, संपथ राज, शिव पंडित, अनबु थसन, योग जापी, मगलक्ष्मी, शीला राजकुमार, कमलेश और किरण कोंडा अहम भूमिकाओं में हैं। सुबास्करन अपने लाइका प्रोडक्शंस बैनर तले इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं।फिल्म में संदीप किशन मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म के प्रमोशन और टीजर को हर तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है।

सनी देओल ने दुनिया की सभी माताओं को समर्पित की बटवारा 1947, ट्रेलर रिलीज का किया ऐलान

सनी देओल और प्रीति जिंटा स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म बटवारा 1947 की रिलीज डेट नजदीक आ रही है. बटवारा 1947 इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है, जिसका इंतजार सनी के फैंस को बेसब्री से है. सनी एक बार फिर बटवारे वाली कहानी के साथ पर्दे पर लौट रहे हैं. उनकी क्लासिक फिल्म गदर की भी यही कहानी थी, जो भारत की असली ब्लॉकबस्टर फिल्म बन चुकी है. अब बटवारा 1497 दर्शकों पर कितना असर छोड़ती है यह तो अगले महीने अगस्त में ही पता चलेगा. इससे पहले फिल्म बटवारा 1947 के ट्रेलर का इंतजार कर रहे दर्शकों को बता दें कि इसकी डेट का खुलासा हो चुका है. सनी ने अपने एक लेटेस्ट पोस्ट में इसकी जानकारी दे दी है.

बटवारा 1947 का ट्रेलर जयपुर में एक ग्रैंड इवेंट में होगा और इसके बाद ट्रेलर लॉन्चिंग इवेंट में मुंबई में भी होगा. आमिर खान प्रोडक्शंस बैनर तले बनी फिल्म बटवारा 1947 का ट्रेलर सिंगल स्क्रीन थिएटर राज मंदिर में लॉन्च होगा. यहां फिल्म की पूरी स्टारकास्ट और मेकर्स भी मौजूद होंगे और आमिर खान भी यहां पहुंचने वाले हैं. फिल्म बटवारा 1947 का ट्रेलर आज 28 जुलाई को रिलीज होने जा रहा है. इसके बाद कल 29 जुलाई को मुंबई में फिल्म का ट्रेलर लॉन्च इवेंट होगा. वहीं, यह फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

सनी ने बटवारा 1947 के ट्रेलर रिलीज डेट का एलान कर अपनी मां के साथ एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. इसमें वह अपनी मां के साथ

नजर आ रहे हैं. इस फोटो को शेयर कर सनी ने लिखा है, मेरी मां ही मेरा रब है, मेरा प्यार, मेरा हौसला, मेरी ताकत, बटवारा 1947 मैं अपनी मां और दुनिया की हर मां को समर्पित करता हूं, ट्रेलर कर रिलीज होगा.

फिल्म की कहानी की बात करें तो यह सैय्यद असगर वजाहत के मशहूर नाटक जिस लाहौर नई देख्या पर बेस्ड है. फिल्म की कहानी भारत–पाकिस्तान के बटवारे के दौर की है, ।

ओह माय डाग की रिलीज तारीख बदली, अब 7 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी

पंकज त्रिपाठी की फिल्म ओह माय डॉग का इंतजार कर रहे फैंस के लिए बुरी खबर है। अमित राय द्वारा निर्देशित ये फिल्म पहले 31 जुलाई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, जो टल गई है। निर्माताओं ने इसे एक सप्ताह के लिए स्थगित करने का फैसला लिया है, जिससे लोगों को इंतजार करना होगा। बता दें, ओह माय डॉग का ट्रेलर कुछ दिन पहले जारी हुआ था और तब से लोग फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, ओह माय डॉग के निर्माताओं को सिनेमाघरों की कमी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि मार्वल की बहुप्रतीक्षित फिल्म स्पाइडर–मैनरू ब्रांड न्यू डे को प्राथमिकता दिए जाने की उम्मीद है।टॉम हॉलैंड और जेंडाया अभिनीत ये सुपरहीरो फिल्म बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है, जिससे छोटी फिल्मों के लिए पर्याप्त प्रदर्शन हासिल करना मुश्किल होगा।ऊपर से धमाल 4, द ओडिसी और द इंडिया स्टोरी जैसी फिल्मों की सिनेमाघरों में भरमार है।फिल्म को आगे बढ़ाने के फैसले पर बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि ओह माय डॉग को स्थगित करने का फैसला ष्पूरी तरह से व्यावहारिकष था, जो सिनेमाघरों में दर्शकों की भारी भीड़

के कारण लिया गया था, न कि फिल्म को लेकर किसी चिंता के कारण। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिल्म अब 7 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।हाल ही में सेंसर बोर्ड ने ओह माय डॉग को यूध्ए प्रमाणपत्र देकर पास किया है।

चेन्नई लव स्टोरी ने तोड़ा रिकार्ड, बनी किरण अब्बावरम की तीसरी हाईएस्ट ग्रासिंग फिल्म

किरण अब्बावरम की फिल्म चेन्नई लव स्टोरी ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी है. फिल्म की कहानी को फैंस पसंद कर रहे हैं और जमकर प्यार लुटा रहे हैं. किरण अब्बावरम ने तीन दिन में शानदार कलेक्शन कर लिया है. रिलीज से पहले फिल्म को लेकर लिमिटेड बज था लेकिन रिलीज के साथ फिल्म ने धमाका कर दिया है. सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने पहले दिन 4.95 करोड़ की कमाई की थी. फिल्म को 1638 शोज मिले और फिल्म को 41 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. दूसरे दिन फिल्म ने 5.75 करोड़ का बिजनेस किया. फिल्म को 1762 शोज मिले और फिल्म को 50 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. तीसरे दिन फिल्म ने 6.50 करोड़ का बिजनेस किया. फिल्म को तीसरे दिन 1853 शोज मिले और 58 परसेंट ऑक्यूपेंसी मिली. इसी के साथ फिल्म ने टोटल 17.20 करोड़ का बिजनेस कर लिया है. वर्ल्डवाइड फिल्म के कलेक्शन पर नजर डालें तो फिल्म ने दुनियाभर में 24.78 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में टोटल 5 करोड़ का बिजनेस कर लिया है. इसी के साथ फिल्म किरण अब्बावरम की तीसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बन गई है. फिल्म ने एसआर कल्याण मंडपम को पछाड़ दिया है. एसआर कल्याण मंडपम ने 11.31 करोड़ की कमाई की थी.कोईमोई के मुताबिक, फिल्म 30 करोड़ के बजट में बनी है. फिल्म ने 50 परसेंट से ज्यादा का बजट रिकवर कर लिया है. अभी फिल्म को सेफ जोन में जाने के लिए 12.8 करोड़ की कमाई की जरुरत है.बता दें कि फिल्म को रवि नम्बूरी ने डायरेक्ट किया है. वहीं फिल्म को श्रीनिवासा कुमार और साई राजेश ने मास मूवी मेकर्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है. फिल्म का म्यूजिक मणि शर्मा ने कंपोज किया है. फिल्म में किरण अब्बावरम और साई गौरी प्रिया लीड रोल में हैं. ये एक रोमांस ड्रामा है.

ममता कुलकर्णी के लोकप्रिय गाने का बना रीमेक, राणाजी 2.0 में इस बार माहिरा शर्मा ने लगाई डांस का तड़का

बॉलीवुड में लोकप्रिय गानों का रीमेक बनना कोई बड़ी बात नहीं है। अब 90 के दशक का चर्चित गाना मुझको राणा जी माफ करना रीमेक बनकर लौटा है, जिसे राणाजी 2.0 नाम दिया गया है। इसमें माहिरा शर्मा अपने डांस का तड़का लगाती हुई नजर आ रही हैं। रीमेक वर्जन में भी आवाज अलका याग्निक और इला अरुण की है, लेकिन इसका संगीत तनिष्क बागची ने दिया है। कोरियोग्राफी रेमो डिसूजा ने की है, जबकि निर्माता कुमारी तौरानी हैं।

बाक्स आफिस पर दहाड़ रही जन नायकन, 4 दिनों में वर्ल्डवाइड कमाई 200 करोड़ के पार

थलापति विजय की फिल्म जन नायकन सिनेमाघरों में ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसे समीक्षकों और दर्शकों से मिली–जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई। तब से वीकेंड पर शानदार कारोबार करते हुए इसने वर्ल्डवाइड 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर भी विजय की फिल्म को शानदार प्रतिक्रिया हासिल हुई है। आइए एक नजर डालते हैं जन नायकन के ताजा कलेक्शन पर।सैकनिल्क के मुताबिक, जन नायकन ने रिलीज के चौथे दिन बॉक्स ऑफिस पर 32 करोड़ रुपये कमाए हैं।इसमें तमिल वर्जन से 27.30 करोड़, हिंदी से 3.35 करोड़ और तेलुगु से 1.35 करोड़ रुपये शामिल हैं।इससे पहले फिल्म ने तीसरे दिन 28.90 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 21.15 करोड़ रुपये और पहले दिन 42.70 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।इन आंकड़ों के साथ फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल 124.75 करोड़ रुपये का नेट कारोबार कर लिया है।जन नायकन विश्व स्तर पर भी कमाल और धमाल दिखा रही है। इसने विदेशों में, चौथे दिन 10 करोड़ रुपये कमाए, जिससे कुल विदेशी कमाई अब तक 71.50 करोड़ रुपये हो गई है।इसके साथ ही, फिल्म का वैश्विक कुल कलेक्शन अब 217.48 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।एस विनोथ द्वारा निर्देशित ये फिल्म राजनीतिक एक्शन ड्रामा है,

बाक्स आफिस पर धमाल 4 का धमाका, अजय देवगन की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी फिल्म बनी, टोटल धमाल का रिकार्ड तोड़ा

अभिनेता अजय देवगन की फिल्म धमाल 4 इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। एडवेंचर–कॉमेडी से भरपूर यह फिल्म नई रिलीज फिल्मों जन नायकन्च और हॉलीवुड फिल्म श्द ओडिसीच के बीच भी दर्शकों की पहली पसंद बनी हुई है। फिल्म ने अपने तीसरे सप्ताहांत में भी शानदार कमाई करते हुए टिकट खिड़की पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी है।

रविवार को रिलीज के 17वें दिन भी फिल्म की कमाई में बड़ा उछाल देखने को मिला। बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट के अनुसार, श्धमाल 4च ने भारत में 17 दिनों में कुल 157.13 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार कर लिया है। वहीं कर सहित फिल्म की कुल कमाई 185.41 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

फिल्म ने पहले सप्ताह में भारत में 99.09 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद दूसरे सप्ताह में भी फिल्म ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 44.24 करोड़ रुपये जुटाए।

तीसरे सप्ताह के शुक्रवार यानी 15वें दिन फिल्म ने 2.29 करोड़ रुपये कमाए। इसके बाद शनिवार को कमाई में तेजी आई और फिल्म ने 4.79 करोड़ रुपये का कारोबार किया। वहीं तीसरे रविवार को फिल्म की कमाई में करीब 40 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया और इसने 6.72 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया।17 दिनों की कमाई के साथ श्धमाल 4च ने अपनी फ्रेंचाइजी की पिछली तीनों फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म ने श्टोटल धमालच के 154.30 करोड़ रुपये के आजीवन कारोबार को पार कर लिया है। इसके साथ ही यह श्धमालच फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।धमाल 4च ने अजय देवगन के करियर में एक और उपलब्धि जोड़ दी है। यह भारत में उनकी छठी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। फिल्म ने श्शैतानच के 154.30 करोड़ रुपये के कारोबार को पीछे छोड़ दिया है।अब फिल्म के सामने अगला लक्ष्य अजय देवगन की फिल्म रेड 2 के 179.30 करोड़ रुपये के कारोबार को पार करना है। अगर धमाल 4 यह आंकड़ा पार कर लेती है तो यह अजय देवगन की भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली शीर्ष पांच फिल्मों में शामिल हो जाएगी।बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में धमाल 4 कई और नए रिकॉर्ड अपने नाम कर सकती है।

ऋषभ शेट्टी की द प्राइड आफ भारत से जुड़ीं भूमि पेडनेकर, वीर योद्धा रानी बेलावड़ी मल्लम्मा की किरदार से मचाएंगी तहलका

ऋ षभ शेट्टी अपनी आगामी फिल्म द प्राइड ऑफ भारतरू छत्रपति शिवाजी महाराज को लेकर चर्चा में हैं। छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी पर आधारित इस ऐतिहासिक ड्रामा में बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन रामपाल और विवेक ओबेरॉय पहले से अहम किरदारों में शामिल थे। ताजा अपडेट है कि एक और बालीवुड अभिनेत्री इस परियोजना का हिस्सा बन गई हैं, जो भूमि पेडनेकर हैं। ये पहला मौका होगा, जब फैंस उन्हें दक्षिण सिनेमा की फिल्म में डेब्यू करते हुए देखेंगे।मशहूर फिल्म समीक्षक तरण आदर्श ने एक्स पर आधिकारि पोस्ट साझा करते हुए भूमि के परियोजना में शामिल होने की जानकारी दी है।उन्होंने बताया कि अभिनेत्री फिल्म में कर्नाटक की वीर योद्धा रानी बेलावड़ी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी, जिन्हें उनकी बहादुरी और अटूट साहस के लिए जाना जाता है।वहीं शेफाली शाह छत्रपति की मां

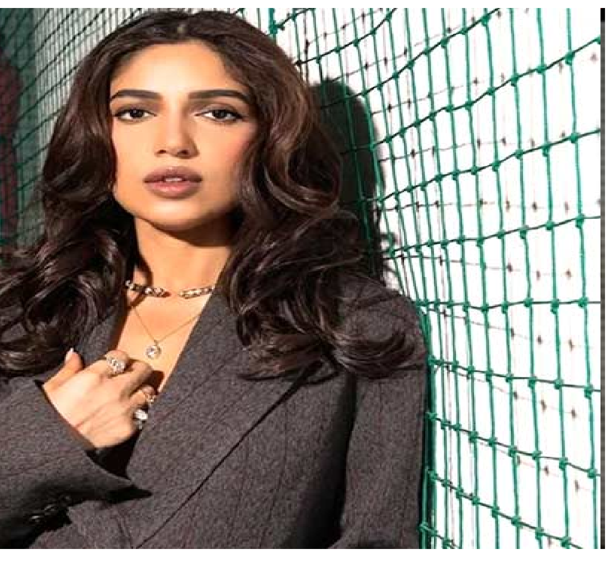

राजमाता जीजाबाई का किरदार निभाएंगी।इस फिल्म का निर्देशन संदीप सिंह कर रहे हैं और संगीत अमित त्रिवेदी द्वारा तैयार किया जा रहा है।ऋषि विरमानी द्वारा लिखित, द प्राइड ऑफ भारतरू छत्रपति शिवाजी महाराज का निर्माण 2 भागों में किया जाएगा। पहले भाग को 2028 में और दूसरे भाग को 2029 में रिलीज किया जा सकता है।इसकी शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू होने वाली है, जिसका ज्यादातर हिस्सा महाराष्ट्र में फिल्माया जाएगा। वहीं व्यापक पूर्व–निर्माण कार्य पहले से ही चल रहा है।

घर पर आसानी से बनाया जा सकता है शिया बटर लिप बाम, जानिए तरीका

शिया बटर लिप बाम प्राकृतिक चीजों से बनाया जाता है। यह न केवल होंठों को नमी देता है, बल्कि उन्हें सूरज की हानिकारक किरणों से भी बचाता है। शिया बटर में विटामिन–ए और विटामिन–ई होते हैं, जो होंठों को पोषण देते हैं और उन्हें मुलायम बनाते हैं। इस लेख में हम आपको घर पर शिया बटर लिप बाम बनाने का तरीका बताएंगे, जिससे आप अपने होंठों को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रख सकते हैं।जरूरी चीजेंघर पर शिया बटर लिप बाम बनाने के लिए आपको कुछ सरल चीजों की जरूरत होगी। सबसे पहले आपको शुद्ध शिया बटर, नारियल का तेल, बादाम का तेल और कुछ खुशबूदार तेल चाहिए होंगे।इसके अलावा आपको एक साफ डिब्बा, एक छोटे चम्मच और एक माइक्रोवेव या चूल्हे की भी जरूरत पड़ेगी।इन सभी चीजों को इकत्रा करके आप शिया बटर लिप बाम बनाने की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं।शिया बटर और नारियल का तेल मिलाएंसबसे पहले एक छोटे बर्तन में शिया बटर और नारियल का तेल डालें और इसे धीमी आंच पर गर्म करें। जब तक कि यह पूरी तरह से पिघल न जाए तब तक लगातार चलाते रहें। ध्यान रखें कि इसे अधिक गर्म न करें क्योंकि इससे इसके पोषक तत्व नष्ट हो सकते हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।